दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K & K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-82 सीहोर, गुरूवार 14 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

मणिपुर में चर्च नेताओं की हत्या, हिंसा, तनाव और राष्ट्रीय राजमार्ग बंद

इंफाल,(ए.)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में बुधवार को थाडौ बैपटिस्ट एसोसिएशन (टीबीए) के तीन चर्च नेताओं की अज्ञात हथियारबंद लोगों द्वारा गोली मारकर हत्या की गई, जिससे पूरे इलाके में गहरा तनाव और दहशत फैल गई है। इस बर्बर हमले में पांच अन्य लोग घायल भी हुए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में जारी है।मृतकों की पहचान मणिपुर बैपटिस्ट कन्वेंशन (एमबीसी) के पूर्व महासचिव रेव. वी. सितल्होउ, रेव. वी. कैगौलुन और पास्टर पाओगौलेन के रूप में हुई है। घायल हुए लोगों में रेव. एसएम हाओपु, रेव. हेकाई सिमटे, रेव. पाओथांग और दो ड्राइवर लेलें व गौमांग शामिल हैं। ये सभी चुराचांदपुर जिले के लमका में आयोजित टीबीए सम्मेलन से दो वाहनों में कांगपोकपी लौट रहे थे, तभी कोतजिम और कोतलेन इलाकों के बीच उन पर अचानक फायरिंग की गई, जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस जघन्य वारदात के बाद गुस्साए लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-2 (एनएच-2) को पत्थर और लकड़ियां लगाकर अवरुद्ध कर दिया। एनएच-2 मणिपुर को नागालैंड सहित देश

के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है, जिसके बंद होने से आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

मणिपुर में चर्च नेता सिर्फ आध्यात्मिक मार्गदर्शक नहीं होते, बल्कि वे सामाजिक और राजनीतिक मामलों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में शांति बहाली, राहत कार्यों और आदिवासी ईसाई एकता की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से काम करते हैं। कुकी इनपी मणिपुर (केआईएम) ने बताया कि मृतक रेव. वी. सितल्होउ हाल ही में कोहिमा में नागालैंड जॉइंट क्रिश्चियन फोरम (एनजेसीएफ) के साथ शांति और सामुदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने की पहलों में शामिल थे। घटना के विरोध में, कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन (केएसओ), चुराचांदपुर जिला ने बुधवार दोपहर 12:30 बजे से अनिश्चितकालीन बंद का ऐलान किया है। केएसओने इस हमले को निर्दोष टीबीए चर्च नेताओं की हत्या करार देकर राज्य की कानून-व्यवस्था एजेंसियों पर सशस्त्र समूहों की गतिविधियों को नियंत्रित करने में विफल रहने का गंभीर आरोप लगाया है। हालांकि, आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, प्रेस और मीडिया, बिजली आपूर्ति तथा धार्मिक कार्यक्रमों को इस बंद से छूट दी गई है।वहीं, कुकी इनपी मणिपुर (केआईएम)ने भी हमले की कड़ी निंदा करते हुए इस कुकी-जो चर्च नेताओं और आम नागरिकों पर कायराना और बर्बर हमला बताया है। केआईएम ने कहा कि निहत्थे चर्च नेताओं की हत्या शांति वार्ता और संवाद की कोशिशों पर सीधा प्रहार है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को नरसिंहपुर जिले के मुंगवानी में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना राशि अंतरण और भूमि-पूजन एवं लोकार्पण समारोह में हल भेंट किया।

नीट पेपर लीक पर युवा कांग्रेस विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली(ए.)। युवा कांग्रेस ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) पेपर लीक मामले को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग की । नई दिल्ली में युवा कांग्रेस मुख्यालय के बाहर हुए इस प्रदर्शन में जुटे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर काबू किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली युवा कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने कहा कि केंद्र सरकार देश में पेपर लीक रोकने में नाकाम हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब से राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) बनी है, तब से लगातार पेपर लीक की घटनाएं हो रही हैं। अदालतों ने भी इस पर संज्ञान लिया है। पहले विश्वविद्यालय और राज्य सरकारें परीक्षाएं कराती थीं, लेकिन अब एनटीए के भाजपा सरकार ने ऐसा भ्रष्ट तंत्र बना दिया है, जिसमें गरीब छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है।अक्षय लाकड़ा ने कहा कि नीट पेपर लीक में ऐसे लोगों के नाम सामने आए हैं, जो खुद कोचिंग संस्थान चलाते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि पिछले दस साल में 89 पेपर लीक हुए, जिनमें चार बार नीट का पेपर लीक हुआ और 48 बार परीक्षाएं दोबारा करानी पड़ीं। पर किसी भी आरोपित को कठोर दंड नहीं दिया जा सका।

एनटीए को हटाकर नई पारदर्शी, मजबूत और स्वायत्त संस्था बनाई जाए

-नीट मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, एफएआईएमए ने प्रक्रिया पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,(ए.)। नीट यूजी 2026 परीक्षा को लेकर मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए) ने कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए परीक्षा प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं और बड़े सुधारों की मांग की है। एफएआईएमए ने कहा कि पिछले कुछ समय से नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा की विश्वसनीयता पर सवाल उठते रहे हैं। खासकर पेपर लीक, तकनीकी गड़बड़ियों और पारदर्शिता की कमी जैसी शिकायतों ने लाखों छात्रों और अभिभावकों का भरोसा कमजोर किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसी वजह से संगठन ने मांग की है कि नीट यूजी 2026 की पूरी प्रक्रिया को या तो दोबारा कराया जाए या फिर इसे न्यायिक निगरानी में कराया जाए, ताकि निष्पक्षता बनी रहे। याचिका में सबसे बड़ा मुद्दा एनटीए को लेकर उठाया। एफएआईएमए ने कहा कि पिछले कुछ सालों में एनटीए की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। इसलिए या तो इसे पूरी तरह हटाया जाए या फिर इसका पुनर्गठन करके एक नई, ज्यादा पारदर्शी, तकनीकी रूप से मजबूत और स्वायत्त संस्था बनाई जाए।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में पांच आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली,(ए.)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक मामले में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। एजेंसी ने देशभर में कई स्थानों पर छापेमारी भी की है।

सीबीआई ने बुधवार को बताया कि मामला 12 मई को शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग से मिली लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। प्राथमिकी में आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और भारतीय न्याय संहिता, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम तथा सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम-2024 की विभिन्न धाराएं लगाई गई हैं।

हिंदू धर्म जीवनशैली का हिस्सा, आस्था साबित करने के लिए मंदिर जाना अनिवार्य नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। सबरीमला मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिंदू धर्म एक जीवनशैली है और यह आवश्यक नहीं है कि हिंदू धर्म में बने रहने के लिए मंदिर जाना या धार्मिक अनुष्ठान करना अनिवार्य हो.सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, लोग अपनी झोपड़ी में दीपक जलाते हैं, बस इतना ही काफी है. न्यायालय ने हिंदू धर्म की सादगी और समावेशिता पर बल दिया.नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ केरल के सबरीमला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव और दाऊदी बोहरा सहित विभिन्न धर्मों द्वारा पालन की जाने वाली धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और सीमा से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई कर रही है.

पीठ में मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, एम एम सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्य बागची शामिल हैं.प्रोफेसर जी मोहन गोपाल ने कहा कि वेदों को स्वीकार करने के बारे में मुझसे किसी ने नहीं पूछा और न ही किसी ने ऐसा कहा. मैं वेदों का बहुत सम्मान करता हूं, लेकिन क्या यह सच है कि आज जो लोग हिंदू कहलाते हैं, वे सभी वेदों को आध्यात्मिक और दार्शनिक सभी मामलों में सर्वोच्च अधिकार मानते हैं? उन्होंने आगे कहा, तो इस तरह हम धर्म में समाहित नहीं हुए, बल्कि धर्म ने हमें भस्म कर दिया. हमें संवैधानिक दृष्टिकोण से भी विचार करना होगा कि हमारे पास क्या विकल्प है, क्या अधिकार है ?

सीबीएसई 12वीं का परिणाम घोषित, 85.20 प्रतिशत विद्यार्थी पास, लड़कियों ने फिर मारी बाजी

नई दिल्ली, (ए.)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को 12वीं कक्षा का परिणाम घोषित कर दिया। इस वर्ष कुल 85.20 प्रतिशत विद्यार्थी परीक्षा में सफल रहे, जो पिछले साल के मुकाबले 3.19 प्रतिशत कम है। परीक्षा परिणाम में लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से बेहतर रहा है।बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष 17,80,365 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 17,68,818 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इनमें 15,07,109 विद्यार्थी सफल घोषित किए गए। पास प्रतिशत में 3.19 प्रतिशत की कमी आई, जो 2025 के 88.39 प्रतिशत से घटकर 2026 में 85.20 प्रतिशत हो गया।सीबीएसई के अनुसार लड़कियों का पास प्रतिशत 88.86 रहा, जबकि लड़कों का उत्तीर्ण प्रतिशत 82.13 प्रतिशत दर्ज किया गया। इस तरह लड़कियों ने लड़कों से 6.73 प्रतिशत बेहतर प्रदर्शन किया।

क्षेत्रवार प्रदर्शन में त्रिवेंद्रम क्षेत्र सबसे आगे रहा, जहां 95.62 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए। इसके बाद चेन्नई, बेंगलुरु और विजयवाड़ा क्षेत्र का स्थान रहा। दिल्ली पश्चिम क्षेत्र का परिणाम 92.34 प्रतिशत और दिल्ली पूर्व क्षेत्र का परिणाम 91.73 प्रतिशत रहा। ओवरऑल दिल्ली क्षेत्र का पास प्रतिशत 91.97 प्रतिशत दर्ज किया गया जबकि प्रयागराज में सबसे कम 72.43 प्रतिशत पास प्रतिशत रहा।विदेश स्थित सीबीएसई स्कूलों का परिणाम 90.50 प्रतिशत रहा। वहीं दिव्यांग (सीडब्ल्यूएसएन) विद्यार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 90.16 प्रतिशत दर्ज किया गया।बोर्ड ने बताया कि इस वर्ष 1,63,800 विद्यार्थियों को कंपार्टमेंट श्रेणी में रखा गया है, जो कुल परीक्षार्थियों का 9.26 प्रतिशत है।

चारधाम यात्रा में रिकॉर्ड श्रद्धालु, 25 दिनों में 12.60 लाख ने किए दर्शन

देहरादून,(ए.)। उत्तराखंड की विश्वप्रसिद्ध चारधाम यात्रा इस वर्ष नए रिकॉर्ड की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। यात्रा शुरू होने के महज 25 दिनों के भीतर ही श्रद्धालुओं की संख्या 12 लाख 60 हजार के पार पहुंच गई

है। विशेष रूप से केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है, जहां 22 दिनों में ही पांच लाख से अधिक भक्त दर्शन कर चुके हैं।राज्य सरकार यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी कर रही है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में मौसम की संवेदनशीलता को देखते हुए मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए।19 अप्रैल से शुरू हुई यात्रा में 13 मई तक कुल 12,60,478 श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं। इनमें सबसे अधिक 5,23,582 श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंचे हैं। इसके अलावा बद्रीनाथ धाम में 3,24,081, गंगोत्री में 2,05,425 और यमुनोत्री में 2,07,390 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।बुधवार को एक ही दिन में 80,401 श्रद्धालुओं ने चारधाम में दर्शन किए।

एन. रंगासामी ने पांचवीं बार संभाली पुडुचेरी की कमान

एनडीए सरकार की वापसी, ए. नमशिवायम और मल्लाडी कृष्णा राव ने भी ली मंत्री पद की शपथ

पुडुचेरी,(ए.)। पुडुचेरी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने एक बार फिर सत्ता में वापसी करते हुए नई सरकार का गठन कर लिया है। अनुभवी नेता और ऑल इंडिया एन. आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी) के संस्थापक एन. रंगासामी ने बुधवार को लगातार दूसरी बार और कुल पांचवीं बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री पद की शपथ

ली। राजनिवास में आयोजित भव्य समारोह में उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री रंगासामी के साथ एआईएनआरसी के वरिष्ठ नेता मल्लाडी कृष्णा राव तथा भाजपा नेता ए. नमशिवायम ने भी मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और पार्टी के वरिष्ठ नेता बी.एल. संतोष सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर, मालवा-निमाड़ के 11 जिलों में चार दिन लू का अलर्ट, रतलाम सबसे गर्म

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश में एक बार फिर भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने मालवा-निमाड़ क्षेत्र समेत इंदौर और उज्जैन संभाग के 11 जिलों में अगले चार दिनों तक लू चलने की चेतावनी जारी की है। वहीं भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के कई इलाकों में भी हीट वेव का असर देखने को मिलेगा। राजधानी भोपाल में बुधवार सुबह से बादल छाए रहे।मंगलवार को भी प्रदेश के कई जिले तेज गर्मी और लू की चपेट में रहे, जबकि निमाड़ क्षेत्र में मौसम ने अचानक करवट ली और तेज आंधी, बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। रतलाम प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में सक्रिय साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ सिस्टम के कारण मौसम में बदलाव देखने को मिला। बालाघाट, सिवनी, दतिया,

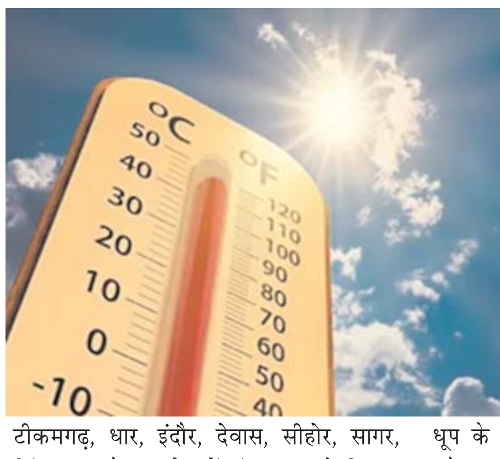

टीकमगढ़, धार, इंदौर, देवास, सीहोर, सागर, छिंदवाड़ा और रायसेन में मंगलवार को दिनभर उमस और तेज गर्मी रही, लेकिन शाम होते-होते कई इलाकों में मौसम बदला। निवाड़ी और बालाघाट में ओले गिरे, जबकि अन्य जिलों में आंधी और बारिश दर्ज की गई। भोपाल में तेज धूप के बीच बादलों की आवाजाही बनी रही और रात में कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी भी हुई।तापमान की बात करें तो रतलाम लगातार तीसरे दिन प्रदेश में सबसे गर्म रहा। धार में तापमान 44.5 डिग्री दर्ज हुआ। श्योपुर और शाजापुर में 44 डिग्री, खरगोन में 43.6 डिग्री, गुना में 43.3 डिग्री और सागर में 43.2 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश के बड़े शहरों में उज्जैन सबसे गर्म रहा, जहां पारा 44.4 डिग्री तक पहुंच गया। इंदौर में 43.6 डिग्री, भोपाल में 42.6 डिग्री, जबलपुर में 42 डिग्री और ग्वालियर में 41.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।मौसम विभाग ने बुधवार के लिए इंदौर, उज्जैन, रतलाम, राजगढ़, शाजापुर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, देवास, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर में लू का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में तापमान 45 डिग्री तक पहुंचने की संभावना जताई गई है।

वहीं भोपाल, रायसेन, सीहोर, विदिशा, बड़वानी, मंदसौर, नर्मदापुरम, ग्वालियर, शिवपुरी, मुरैना, भिंड, जबलपुर, कटनी, सिवनी, रीवा, सतना, शहडोल, सागर, दमोह, छतरपुर और टीकमगढ़ समेत कई जिलों में तेज गर्मी का असर बना रहेगा।

कोच्चि और लक्षद्वीप को जोड़ने वाली सीप्लेन की ट्रायल उड़ानें शुरू होगी

एर्नाकुलम(आरएनएस)। कनेक्टिविटी बढ़ाने और आइलैंड टूरिज्म को नई तेजी देने के लिए एक बड़े कदम के तौर पर कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट केरल और लक्षद्वीप को जोड़ने वाली सीप्लेन सर्विस के लिए ट्रायल रन शुरू कर रहा है. कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के मैनेजिंग डायरेक्टर आईएएस एस सुहास ने बताया कि टेस्ट फ्लाइट आज से शुरू होगी, बशर्ते मौसम अच्छा रहे.

इन शुरुआती फ्लाइट का मकसद रीजनल एविएशन ऑपरेशन की फिजिबिलिटी को जांचना है, जिससे कोच्चि और आइलैंड ग्रुप के अलग-अलग आइलैंड के बीच परमानेंट और डायरेक्ट सीप्लेन कनेक्टिविटी के लिए रास्ता तैयार होगा.इस मिशन में स्काईहोप एविएशन लिमिटेड का बीस सीटर ट्विन ओटर सीप्लेन इस्तेमाल किया जाएगा।

रानी कमलापति-सांतरागाछी हमसफर एक्सप्रेस एक ट्रिप निरस्त रहेगी

भोपाल (निप्र)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा बिलासपुर मंडल के अंतर्गत बिलासपुर जंक्शन-चाँपा जंक्शन रेलखण्ड पर थर्ड एवं फोर्थ लाइन से सबन्धित सयुंक्त अधोसरंचनात्मक निर्माण कार्यों हेतु प्री-नॉनइंटरलॉकिंग/नॉनइंटरलॉकिंग/पोस्ट नॉनइंटरलॉकिंग कार्य जून माह में किया जाना है। जिसके चलते पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली रानी कमलापति-सांतरागाछी जंक्शन-रानी कमलापति हमसफर ट्रेन दोनों दिशाओ में 01-01 ट्रिप निरस्त रहेगी। जिसका विवरण इस प्रकार है-

1) गाड़ी संख्या 22169 रानी कमलापति-सांतरागाछी जंक्शन हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन अपने प्रारम्भिक स्टेशन रानी कमलापति से 10 जून 2026 को निरस्त रहेगी।

2) गाड़ी संख्या 22170 सांतरागाछी जंक्शन-रानी कमलापति हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन अपने प्रारम्भिक स्टेशन सांतरागाछी जंक्शन से 11 जून 2026 को निरस्त रहेगी । यात्रीगण कृपया असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस /139 रेल मदद से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कुचला गया युवक, मां ने पड़ोसी पर लगाया हत्या का आरोप

भोपाल (ए.)। रचना नगर अंडरब्रिज के ऊपर रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गौतम नगर जनता क्वार्टर निवासी अशोक बामने के रूप में हुई है। घटना गोविंदपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। बुधवार सुबह रेलवे ट्रैक पर युवक का शव मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक की मां कृष्णा बामने ने पड़ोसी पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात अशोक नशे की हालत में था और एक लड़की को लेकर पड़ोसी से विवाद हो गया। परिवार का आरोप है कि विवाद के बाद पड़ोसी अपने चारों बेटों के साथ घर में घुस आया और लाठियों-डंडों से जमकर मारपीट की। इसके बाद अशोक को जबरन रेलवे ट्रैक पर ले जाकर ट्रेन के सामने धक्का दे दिया गया। परिजनों ने बताया कि सुबह पुलिस की सूचना मिलने के बाद उन्हें अशोक की मौत का पता चला। अशोक अविवाहित था और मजदूरी करके अपना गुजारा करता था। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है और इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

आई.डी.बी.आई. बैंक द्वारा दो बोलेरो कैम्पर वाहन का प्रदाय एवं बाघ का किया अंगीकरण

भोपाल, (निप्र.) । वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में वन्यप्राणी अंगीकरण योजना 01 जनवरी 2009 को प्रारंभ की गई थी। इस योजना अंतर्गत आई.डी.बी.आई. बैंक भोपाल ने पर्यावरण तथा वन्यप्राणियों के संरक्षण के प्रति प्रेम की ओर अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। बैंक द्वारा मांसाहारी एवं शाकाहारी वन्यप्राणियों को भोजन प्रदाय के लिये 2 बोलेरो कैम्पर वाहन प्रदाय किये गये एवं एक नर बाघ बाजीराव को एक वर्ष के लिये गोद लिया।आई.डी.बी.आई बैंक से महाप्रबंधक क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल महेश चन्द्र कारी, उप महाप्रबंधक क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल राजेश अग्रवाल, सहायक महाप्रबंधक क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल अचल जैन, सहायक महाप्रबंधक आंचलिक कार्यालय भोपाल ब्लेसियन डेनियल, प्रबंधक, आंचलिक कार्यालय भोपाल आदित्य अग्रवाल द्वारा सीएसआर अंतर्गत वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के संचालक विजय कुमार को 2 बोलेरो कैम्पर वाहन की चाबी प्रदाय की गई एवं नर बाघ बाजीराव को एक वर्ष के लिये अंगीकरण लिया गया।

भोपाल में युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

भोपाल (निप्र)। भोपाल के छोला मंदिर इलाके में रहने वाले युवक का शव आज सुबह करीब 6 बजे उसके घर के एक कमरे में लटका दिखा। बॉडी को सबसे पहले उसकी मां ने देखा था। बताया जा रहा है कि मृतक की पत्नी अपने मायके में रह रही है। कई बार मनाने के बाद भी वह लौटने को तैयार नहीं थी। इससे डिप्रेशन में आकर उसने सुसाइड किया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। छोला मंदिर पुलिस ने बताया कि प्रदीप लोवंशी पिता गंगाराम लोवंशी (29) शिव नगर बिहारी कॉलोनी सुबह साढ़े चार बजे टाविल से फांसी लगाई है। मां ने सबसे पहले देखा था। पांच साल पहले शादी हुई थी। शादी के दो महीने बाद पत्नी मायके में चली गई थी। फिर दोबारा नहीं लौटी। इसी बात को लेकर युवक डिप्रेशन में रहता था और शराब पीने का आदि हो चुका था।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार वर्ष 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

भोपाल (ए.)। प्रदेश में शासकीय कार्यप्रणाली में नवाचार, सुशासन और जनसेवा के उत्कृष्ट प्रयासों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार (नवाचार हेतु) वर्ष 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने जानकारी दी कि यह पुरस्कार मध्यप्रदेश शासन के विभिन्न विभागों, विभागाध्यक्ष कार्यालयों तथा उनके अधीन कार्यरत निगम, मंडल, बोर्ड एवं संस्थाओं के अधिकारी-कर्मचारियों को उनके नवाचार आधारित उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार 01 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 की अवधि में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिये प्रदान किये जायेंगे। ऐसे कार्य जिनसे प्रशासनिक कार्यप्रणाली, सेवा प्रदाय व्यवस्था अथवा जनहित में सकारात्मक और प्रभावी परिवर्तन आया हो। मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के अंतर्गत नागरिक सेवा प्रदाय, सूचना प्रौद्योगिकी एवं सुशासन, शिक्षा एवं मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य एवं पोषण, अधोसंरचना, सामाजिक समावेश एवं सशक्तिकरण, रोजगार एवं आर्थिक विकास जैसे प्रमुख कार्यक्षेत्रों में किए गए नवाचारों को सम्मानित किया जाएगा।

ग्लोबल सिनेमा के पर्दे पर चमकता मध्यप्रदेश, 80 से अधिक देशों में दिखेगी प्रदेश की संस्कृति और विरासत

स्पेनिश टीवी सीरीज़ रूरल टूरिज्म ऑफ द वर्ल्ड में दिखेगी मध्यप्रदेश की संस्कृति, ग्रामीण- प्राकृतिक वैभव और अध्यात्म का संगम

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश के ग्रामीण पर्यटन और समृद्ध सांस्कृतिक वैभव को अब वैश्विक मंच पर एक नई और विशिष्ट पहचान मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी विजन और नेतृत्व में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश तेजी से एक ग्लोबल फिल्मिंग हब के रूप में स्थापित हो रहा है। इसी कड़ी में स्पेन के प्रतिष्ठित प्रोडक्शन हाउस 'कलर्स कम्युनिकेशन ग्रुप' द्वारा निर्मित अंतर्राष्ट्रीय टेलीविजन सीरीज़ रूरल टूरिज्म ऑफ द वर्ल्ड की शूटिंग प्रदेश के विभिन्न पर्यटन अंचलों में हुई। इस गौरवशाली पहल से मध्यप्रदेश की अनूठी जीवन शैली और पर्यटन स्थलों का प्रदर्शन दुनिया के 80 से अधिक देशों में किया जाएगा, जिससे राज्य की पर्यटन संभावनाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई उड़ान मिलेगी। सावरवानी, धूसावानी, चिमटीपुर और तामिया

की जनजातीय परंपरा का हुआ फिल्मांकन

अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट के तहत छिंदवाड़ा जिले की नैसर्गिक सुंदरता और यहां की जीवंत जनजातीय संस्कृति ने स्पेनिश फिल्म क्रू को गहराई से प्रभावित किया है। टीम ने जिले के सावरवानी, धूसावानी, चिमटीपुर और तामिया क्षेत्र में प्रवास कर ग्रामीण जीवन, स्थानीय परंपराओं और पातालकोट की विशिष्ट जीवन शैली को कैमरे में कैद किया। विशेष रूप से पातालकोट में संपन्न जनजातीय विवाह की पारंपरिक रस्मों और प्राकृतिक सौंदर्य का फिल्मांकन किया गया है। स्पेनिश डायरेक्टर जुआन फ्रूटोस ने धूसावानी होमस्टे में मिले आत्मीय आतिथ्य की सराहना करते हुए कहा कि यदि कोई वास्तविक भारत की जड़ों को जानना चाहता है, तो उसे मध्यप्रदेश के इन गांवों का अनुभव अवश्य लेना चाहिए।

स्पेन में हुए एमओयू के मिल रहे सुखद परिणाम

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि इसी वर्ष जनवरी-2026 में स्पेन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मेले FITUR मैड्रिड 2026 के दौरान हुए रणनीतिक समझौतों और एमओयू (MoU) का सुखद परिणाम है। पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैया राजा टी. और अपर प्रबंध संचालक अभय अरविंद बेडेकर के मार्गदर्शन में प्रदेश को एक फिल्म फ्रेंडली डेस्टिनेशन के रूप में वैश्विक पटल पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरसिंहपुर जिले के मुंगवानी में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना राशि अंतरण और भूमि-पूजन एवं लोकार्पण समारोह में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र वितरित किए।

ई-चेक गेट के नवाचार से अवैध खनिज परिवहन पर सख्त नियंत्रण

40 ई-चेकगेट स्थापित, तकनीक आधारित निगरानी से सशक्त हुई व्यवस्था

भोपाल (ए.)। प्रदेश में अवैध खनिज परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण और राजस्व की चोरी रोकने के लिए राज्य शासन द्वारा लागू की गई ई-चेकगेट व्यवस्था एक महत्वपूर्ण तकनीकी नवाचार के रूप में सामने आई है। आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी प्रणाली से लैस इस व्यवस्था से अब तक 20 जिलों में कार्रवाई करते हुए 139 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं और 4.12 करोड़ रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया जा चुका है। तकनीक आधारित इस नवाचार से अवैध खनिज परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगा है, साथ ही पारदर्शी एवं जवाबदेह खनिज परिवहन व्यवस्था सशक्त हुई है। खनिज परिवहन की निगरानी के लिए प्रदेश के 23 जिलों में चिन्हित महत्वपूर्ण मार्गों के 40 स्थानों पर ई-चेक गेट स्थापित किए गए हैं। ई-चेकगेट्स से खनिज परिवहन करने वाले वाहनों की डिजिटल ट्रैकिंग, परिवहन अनुमति की जांच और परिवहन गतिविधियों की सतत निगरानी की जा रही है। ई-चेक गेट व्यवस्था के प्रभावी संचालन के लिए संचालनालय भोपाल में राज्य स्तरीय कमांड एवं कंट्रोल सेंटर स्थापित किया गया है। इसके साथ ही संबंधित 23 जिलों में जिला कमांड सेंटर भी संचालित किए जा रहे हैं, जहां से परिवहन गतिविधियों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है।

सिवनी के डायल 112 हीरोज : त्वरित सहायता से जहरीले पदार्थ का सेवन करने वाली महिला को समय पर मिला उपचार

भोपाल (ए.)। सिवनी जिले के थाना कुरई क्षेत्र में डायल-112 जवानों की त्वरित प्रतिक्रिया और संवेदनशील कार्यवाही से जहरीले पदार्थ का सेवन करने वाली एक महिला को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार दिलाया गया। समय पर मिली सहायता से पीड़ित महिला को तत्काल चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई जा सकी। 13 मई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना कुरई क्षेत्र अंतर्गत मोहगाँव तीतरी में एक महिला ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया है। तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही कुरई थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुँचकर आरक्षक प्रफुल्ल सोनेकर एवं पायलट दिनेश राजपूत ने पाया कि अज्ञात कारणों से 25 वर्षीय महिला ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। जिससे वह बेहोश हो गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डायल-112 जवानों ने बिना विलंब किए पीड़ित महिला को उसके परिजनों के साथ डायल 112 वाहन से तत्काल शासकीय अस्पताल कुरई पहुँचाया। डायल-112 जवानों की संवेदनशीलता और समयबद्ध कार्रवाई से महिला को शीघ्र चिकित्सा सहायता मिल सकी। डायल 112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा हर आपात परिस्थिति में त्वरित सहायता और मानवीय संवेदनशीलता के साथ आमजन के जीवन की सुरक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार-2026ः अपने रेल सफर की कहानी लिखें और इनाम पाएं

भोपाल (निप्र)। भारतीय रेल आपके सफर की अनकही कहानियों को मंच देने जा रही है. यदि आपके पास रेल यात्रा का कोई यादगार अनुभव है, जिसे शब्दों में पिरोकर दुनिया के साथ साझा करना चाहते हैं, तो रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना-2026 आपके लिए सुनहरा अवसर है। इस प्रतियोगिता में भाग लें और आकर्षक नकद पुरस्कार जीतें। रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में हिंदी में मौलिक और रोचक यात्रा वृत्तांत लिखने वाले प्रतिभागियों को 10,000 (प्रथम पुरस्कार), 8,000 (द्वितीय पुरस्कार), 6,000 (तृतीय पुरस्कार) और पांच प्रेरणा पुरस्कार (प्रत्येक 4,000) दिए जाएंगे। आपकी कहानी 3000 से 3500 शब्दों के बीच होनी चाहिए, जिसे डबल स्पेस में टाइप किया गया हो और प्रत्येक पृष्ठ पर क्रम संख्या अंकित हो। कुल शब्दों की संख्या भी स्पष्ट रूप से लिखी जानी चाहिए। साथ ही, अपने वृत्तांत के साथ एक अलग पृष्ठ पर अपना नाम, पदनाम, आयु, पता, मातृभाषा, मोबाइल नंबर और ई-मेल जरूर भेजें। यदि आप सरकारी सेवा में हैं, तो आपको प्रमाणित करना होगा कि आपके विरुद्ध कोई अनुशासनात्मक मामला लंबित नहीं है। अन्य प्रतिभागियों को यह पुष्टि करनी होगी कि उनके विरुद्ध कोई आपराधिक मामला विचाराधीन नहीं है। साथ ही, सभी प्रतिभागियों को यह घोषणा करनी होगी कि उनकी रचना मौलिक है और इसे पहले किसी अन्य प्रतियोगिता में पुरस्कृत नहीं किया गया है। प्रतिभागी अपनी प्रविष्टि दो प्रतियों में 31 जुलाई, 2026 तक सहायक निदेशक, हिंदी (प्रशिक्षण), कमरा नंबर-316, कॉफमो रेल कार्यालय परिसर, तिलक ब्रिज, आईटीओ, नई दिल्ली - 110002 दिए गए पते पर भेजें।

भोपाल के करोंद में बिल्डिंग में आग

भोपाल (निप्र)। भोपाल के करोंद स्थित एक चार मंजिला बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर में बुधवार को आग लग गई। इस बिल्डिंग में KFC आउटलेट है। इसके ठीक पास में लगे एयर कंडिशनर समेत फर्नीचर जल गया।आग की वजह से इलाके में हड़कंप मच गया। अफरा-तफरी के माहौल के बीच आग पर काबू पाया गया। इससे कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपए का नुकसान हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने के दौरान बिल्डिंग में भीड़ नहीं थी। इस वजह से बड़ा हादसा टल गया। प्रशासन नुकसान का आंकलन लगा रहा है। नगर निगम के फायर प्रभारी सौरभ पटेल ने बताया कि बिल्डिंग में क्रोमा का इलेक्ट्रॉनिक शोरूम है। इसके पास में रखे जनरेटर में आग लगी थी। इस वजह से कई एसी भी जल गए। जहां आग लगी थी, वहां पर केएफसी का आउटलेट भी है। हालांकि, उसे नुकसान नहीं पहुंचा।

मप्र सरकार ने ईंधन बचत की दिशा में उठाया कदम, वीआईपी काफिलों में घटे वाहन

- खेल मंत्री सारंग ने भी हटाई सुरक्षा गाड़ियां

भोपाल, (निप्र.) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईंधन संरक्षण और पेट्रोल-डीजल के संयमित उपयोग की अपील का असर मध्य प्रदेश की सरकार में साफ तौर पर दिखने लगा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से लेकर उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने अपने सुरक्षा काफिले (कारकेड) और वाहनों की संख्या में बड़ी कटौती करने का निर्णय लिया है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के काफिले में पहले 13 वाहन चलते थे, जिसे अब घटाकर मात्र 7 कर दिया गया है। बुधवार को जब मुख्यमंत्री भोपाल से नरसिंहपुर के लिए रवाना हुए, तो उनके कारकेड में सिर्फ सात गाड़ियां ही नजर आईं। मुख्यमंत्री ने यह कदम राष्ट्रहित और अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के उद्देश्य से उठाया है।

उपमुख्यमंत्री ने भी किया वाहनों की संख्या घटाने का ऐलान

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भी अपने काफिले में वाहनों की संख्या न्यूनतम रखने का ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी कि विभागीय भ्रमण, निरीक्षण और सरकारी गतिविधियों में कम से कम वाहनों का उपयोग होगा। अनावश्यक वाहन रैलियों और अतिरिक्त काफिलों से परहेज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विभागीय अधिकारियों को कार पूलिंग (साझा वाहन व्यवस्था) और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य संरक्षण के लिए प्राकृतिक खेती और पर्यावरण सुरक्षा को भी इस मुहिम से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित भोजन का भी सीधा संबंध है।

न्यूजीलैंड के विशेषज्ञों ने साझा की शहद प्रसंस्करण और विपणन की आधुनिक तकनीकें

वनधन संवाद कार्यशाला में मध्यप्रदेश के वनधन केंद्रों के प्रतिनिधियों को दिया प्रशिक्षण

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज संघ की उत्पादन इकाई लघु वनोपज प्रसंस्करण एवं अनुसंधान केंद्र, बरखेड़ा पठानी, भोपाल में आयोजित 'वनधन संवाद' कार्यशाला में न्यूजीलैंड से आए विशेषज्ञों ने शहद संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन की आधुनिक तकनीकों पर विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यशाला का उद्देश्य वन समितियों और वनधन केंद्रों को शहद संग्रहण, ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग एवं मार्केटिंग की उन्नत तकनीकों से जोड़ना तथा मध्यप्रदेश के शहद को वैश्विक बाजार में नई पहचान दिलाना है। कार्यशाला में न्यूजीलैंड के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य ईशान जयवर्धने, बायरन पीटर टेलर एवं सुश्री प्रियम अरोरा ने सहभागिता करते हुए वनधन विकास केंद्रों के प्रतिनिधियों को शहद उत्पादन की उत्कृष्ट पद्धतियों, गुणवत्ता नियंत्रण तथा वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रसंस्करण तकनीकों से अवगत कराया। विशेषज्ञों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अपने अनुभव साझा किए और बताया कि वैज्ञानिक तरीकों एवं आधुनिक प्रबंधन से शहद उत्पादन को अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाया जा सकता है। कार्यशाला में मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज संघ की प्रबंध संचालक श्रीमती कमलिका मोहंता ने वनधन केंद्रों एवं वन समितियों को सशक्त बनाने पर बल देते हुए शहद के ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन और निर्यात को बढ़ावा देने की आवश्यकता जताई।

सभी नागरिक क्यूआर कोड स्कैन कर स्वच्छता सर्वेक्षण फीडबैक में करें सहभागिता : आयुक्त श्री भोंडवे

भोपाल, (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा है कि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत आयोजित होने वाले विश्व के सबसे बड़े स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में मध्यप्रदेश अपनी संकल्पबद्धता और जन-सहयोग के अनूठे संगम के साथ अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रदेश के कुल 406 नगरीय निकायों में स्वच्छता के प्रति जो उत्साह और चेतना जाग्रत हुई है, उसका प्रत्यक्ष प्रमाण नागरिकों द्वारा अब तक दर्ज कराए गए 19 लाख से अधिक फीडबैक हैं। यह संख्या न केवल नागरिकों की अपनी शहर की स्वच्छता के प्रति सजगता को दर्शाती है, बल्कि यह प्रदेश की उस सामूहिकता का भी परिचायक है जो मध्यप्रदेश को स्वच्छता के शिखर पर बनाए रखने के लिए तत्पर है।

महाप्रबंधक ने हिमांशु अग्रवाल को उत्कृष्ट संरक्षा जागरूकता पुरस्कार से किया सम्मानित

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह द्वारा संरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सतर्कता एवं त्वरित कार्यवाही के लिए रेलकर्मी हिमांशु अग्रवाल, वरिष्ठ गुड्स ट्रेन मैनेजर इटारसी, भोपाल मंडल को उत्कृष्ट संरक्षा जागरूकता पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। दिनांक 12.04.2026 को खंडवा में मालगाड़ी संचालन के दौरान हिमांशु अग्रवाल ने लोको संख्या 31224 का चार्ज लेने के पश्चात लोड की जांच करते समय वैगन से रिसाव की आवाज सुनकर तत्परता से जांच की। जांच में पाया गया कि रिसाव ब्रेक पाईप अथवा फीड पाईप से नहीं, बल्कि वैगन के ऊपरी भाग में स्थित डोम कवर से हो रहा था। उक्त रेक के 30 वैगनों में POL गैस लदी हुई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए श्री अग्रवाल ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। रिसाव बढ़ने की संभावना के मद्देनज़र यात्री गाड़ियों को खंडवा स्टेशन के बाहर रोका गया तथा आवश्यक संरक्षा उपाय किए गए, जिनमें फायर ब्रिगेड की व्यवस्था एवं OHE सप्लाई बंद करना शामिल था। बाद में प्रभावित वैगन को रेक से पृथक कर स्थिति को नियंत्रित किया गया। इनके द्वारा त्वरित गति से की गई सुरक्षात्मक कार्रवाई के कारण रेल परिचालन को सुरक्षित बनाए रखने में बड़ी सफलता मिली है। रेल प्रशासन ने हिमांशु अग्रवाल की सजगता, कर्तव्यनिष्ठा एवं त्वरित निर्णय क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सतर्कता से एक संभावित बड़ी दुर्घटना को टाला जा सका। यह सम्मान अन्य रेलकर्मियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत है।

भोपाल में मुस्लिम युवक से मारपीट के विरोध में रातभर मचा बवाल, भीड़ ने किया पथराव, पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पुराने शहर में मंगलवार रात उस समय तनाव बढ़ गया, जब एक मुस्लिम युवक के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार के विरोध में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। स्थिति इस कदर बिगड़ी कि पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और पुराने शहर के संवेदनशील इलाकों में धारा 144 लागू करनी पड़ी।

यह है मामला

दरअसल, घटना 9 मई की है, जब गौतम नगर के एक होटल में हिंदू संगठन के कुछ कार्यकर्ताओं ने एक मुस्लिम युवक और हिंदू युवती को पकड़ा था। आरोप है कि कार्यकर्ताओं ने युवक के साथ मारपीट की, उसके चेहरे पर स्याही और गोबर पोता और उसे अर्धनग्न कर अपमानित किया। इस दौरान की गई आपत्तिजनक धार्मिक टिप्पणियों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मुस्लिम समाज में भारी आक्रोश फैल गया। इसी मुद्दे को लेकर मंगलवार दोपहर से ही ताजुल मस्जिद, पीरगेट और इमामीगेट क्षेत्र में भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। शहर काजी, विधायक आरिफ मसूद और अतीक अकील ने पुलिस कमिश्नर से मिलकर आरोपियों पर एनएसए लगाने और 24 घंटे में गिरफ्तारी की मांग की।

पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले

रात करीब 8:30 बजे पुलिस कार्रवाई में देरी का आरोप लगाते हुए भीड़ उग्र हो गई। रात 1 बजे तक चले इस प्रदर्शन के दौरान मोती मस्जिद क्षेत्र में पुलिस पर पथराव किया गया।

NEET के नाम पर करोड़ों की लूट कर रहे अधिकारी?, सरकार की "आकांक्षा योजना" पर गंभीर आरोप

इंदौर (ए.)। मध्यप्रदेश में NEET, JEE और CLAT जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग प्रदान करवाने वाली आकांक्षा योजना सवालों के घेरे में आ गई है। सैकड़ों छात्रों ने इस योजना में करोड़ों रुपए के घोटाले के आरोप लगाए हैं। छात्रों का कहना है कि फर्जी बिल लगाकर अधिकारी फंड निकाल रहे हैं और छात्रों को मिलने वाली सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है।

इंदौर प्रेस क्लब में विद्यार्थियों ने एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया। इस दौरान आकांक्षा योजना के क्रियान्वयन में बरती गई कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए। युवा कांग्रेस नेता निखिल वर्मा, जिला कांग्रेस सेवादल कार्यवाहक अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल और गिरीश जोशी के नेतृत्व में आयोजित इस वार्ता में लगभग 70 से 80 छात्र अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। यह सभी छात्र इंदौर के आसपास के कई जिलों से इंदौर में पढ़ाई करने के लिए आए हैं।

अधिकारियों ने लाखों रुपए खर्च दिखाया, नहीं मिले टैबलेट

प्रेस वार्ता में शामिल विद्यार्थियों ने खुलासा किया कि आकांक्षा योजना

के तहत उनके नाम पर प्रतिवर्ष लाखों रुपये तक का खर्च दिखाया गया है। यह राशि कोचिंग, टैबलेट, परिवहन, स्टेशनरी और अन्य सुविधाओं के नाम पर दर्ज की गई है। हालांकि, छात्रों का दावा है कि वास्तविकता इससे बिल्कुल विपरीत है। उन्हें न तो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिली और न ही टैबलेट जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। इसके बावजूद विभाग फर्जी बिल लगाकर भुगतान की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने में जुटा है।

2 करोड़ के भ्रष्टाचार का अंदेशा

युवा कांग्रेस नेताओं ने इस पूरे मामले को एक सुनियोजित साजिश करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों और एक निजी कोचिंग संचालकों की मिलीभगत से करीब 20 करोड़ रुपये हड़पने की तैयारी की गई है। नेताओं का कहना है कि गरीब और होनहार छात्रों के भविष्य को दांव पर लगाकर केवल कागजों पर सुविधाएं दिखाई गई हैं ताकि सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये का भुगतान प्राप्त किया जा सके।

जेल से छूटे भाई को कुल्हाड़ी से उतारा मौत के घाट, अंधे कत्ल का खुलासा

शहडोल (ए.)। शहडोल जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र में हुए चर्चित अंधे कत्ल की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। ग्राम देवराव में हुई इस सनसनीखेज हत्या का आरोपी कोई और नहीं, बल्कि मृतक का ही बड़ा भाई निकला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सिंहस्थ 2028 की तैयारी तेजः छोटी रपट पहुंचे महावीरनाथ महाराज, शिप्रा में आचमन किया, निर्माण कार्यों से खुश

उज्जैन (ए.)। सिंहस्थ 2028 को लेकर शहर में विकास और निर्माण कार्यों ने गति पकड़ ली है। इसी क्रम में रणमुक्तेश्वर मंदिर के गादीपति महावीर नाथ जी महाराज छोटी रपट पहुंचे, जहां दानी गेट से बड़नगर रोड को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण ब्रिज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पवित्र मां शिप्रा में आचमन कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

महावीर नाथ महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने कार्यकाल में उज्जैन के विकास के लिए कई ऐतिहासिक कार्य किए हैं, जिनकी साधु-संत समाज खुलकर सराहना कर रहा है। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए शहर में स्थायी और आधुनिक ब्रिजों का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं और आमजन को बड़ी सुविधा मिलेगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि छोटी रपट का यह मार्ग शहर के सबसे व्यस्त ट्रैफिक रूट्स में से एक है और बड़ी पुल के बाद इसकी विशेष महत्ता है। पहले यहां अस्थायी पुल बनाए जाते थे, लेकिन अब मजबूत और स्थायी ब्रिज तैयार किए जा रहे हैं, जो सिंहस्थ के दौरान यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाएंगे।

महावीर नाथ महाराज ने मां शिप्रा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि भले ही कुछ लोगों को शिप्रा का जल प्रदूषित दिखाई देता हो, लेकिन उनके लिए यह मां के समान पवित्र है। उन्होंने आचमन कर आस्था प्रकट करते हुए कहा कि मां शिप्रा की महिमा और पवित्रता सदैव अटूट रहेगी। उन्होंने कान्ह नदी को शहर के बाहर डायवर्ट करने की योजना को भी सराहनीय बताया। उनका कहना था कि इससे शिप्रा नदी में गंदे पानी का प्रवाह रुकेगा और जलस्तर व स्वच्छता में सुधार होगा। आने वाले सिंहस्थ में साधु-संतों और श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल में स्नान का अवसर मिलेगा। महावीर नाथ महाराज ने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए उम्मीद जताई कि सिंहस्थ 2028 से पहले सभी परियोजनाएं समय पर पूरी हो जाएंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में मां शिप्रा पुनः कल-कल बहती नजर आएंगी और उज्जैन अपनी आध्यात्मिक गरिमा के साथ देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं का स्वागत करेगा।

आइसक्रीम खाते ही बच्चों के मुंह से निकला झाग, 8 मासूम अस्पताल में भर्ती, एक की हालत गंभीर

मंदसौर(ए.)। मंदसौर के कोटड़ाबुजुर्ग गांव में आइसक्रीम खाने से 7 से 8 बच्चे फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए हैं। सभी बच्चों को भवानीमंडी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां एक बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है।

मंदसौर के कोटड़ाबुजुर्ग गांव में आइसक्रीम खाने के बाद बच्चों की तबीयत खराब हो गई। करीब 8 बच्चों को इलाज के लिए राजस्थान के भवानीमंडी स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है, जबकि स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। मामले की जांच की जा रही है। आइसक्रीम के सैंपल लिए गए हैं।

एक बच्चे की हालत गंभीर

ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (BMO) डॉ. दरबारसिंह ने बताया कि बच्चों की हालत पर डॉक्टर लगातार नजर बनाए हुए हैं। 8 बच्चे उपचाररत हैं। इनमें से एक बच्चे की स्थिति काफी गंभीर है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आइसक्रीम खाने के कुछ देर बाद ही बच्चों को उल्टी-दस्त शुरू हो गए। कुछ बच्चों के मुंह से झाग निकलने की भी बात सामने आई है।

होटल के स्विमिंग पूल में डूबने से बच्चे की मौत, पोस्टमार्टम कराने पुलिस दफनाए शव को निकालेगी

ग्वालियर (ए.)। ग्वालियर के गिरवाई थाना क्षेत्र स्थित एबी रोड के प्रिंस मामा होटल में हादसा हो गया। परिवार के साथ डिनर और पूल पार्टी करने गए सात वर्षीय वेद पाल की स्विमिंग पूल में डूबने से मौत हो गई। परिजन ने बच्चे के शव को दफना दिया था, लेकिन मामला पुलिस तक पहुंचा। बच्चे के पिता और चाचा गिरवाई थाने पहुंचे और घटना की जानकारी दी। उन्होंने होटल प्रबंधन की लापरवाही तय करने के लिए शव निकलवाकर पोस्टमॉर्टम कराने की मांग की।

पुलिस लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम से बच्चे का शव निकलवाकर पोस्टमॉर्टम कराएगी। ग्वालियर में यह संभवतः पहला मामला होगा, जिसमें दफनाए गए बच्चे के शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। जनकगंज स्थित गोल पहाड़िया निवासी देवेंद्र पाल ने बताया कि वह अपनी पत्नी भारती पाल, बड़े भाई दिनेश पाल के बेटे वेद पाल और रिश्तेदारों के साथ डिनर व पूल पार्टी के लिए प्रिंस मामा होटल गए थे। होटल में बड़े सदस्य स्विमिंग पूल में थे, जबकि बच्चे पास बने बच्चों के पूल में थे। देवेंद्र पाल ने बच्चों के पूल की तरफ देखा तो वेद वहां नजर नहीं आया। परिजन ने उसकी तलाश शुरू की। कुछ देर बाद बड़े स्विमिंग पूल की गहराई में वेद का शव मिला। उसे अंकुर हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां से जयारोग्य अस्पताल (JAH) रेफर कर दिया गया। जेएएच पहुंचने पर डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

हादसे के बाद परिजन बदहवास थे और कुछ समझ नहीं पा रहे थे। घटना को हादसा मानते हुए वे शव को लक्ष्मीगंज श्मशान घाट ले गए और दफना दिया।

लोगों ने परिजन को बताया कि घटना में होटल प्रबंधन की लापरवाही हो सकती है, क्योंकि वहां लाइफ गार्ड और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। इसके बाद परिवार को मामले की गंभीरता का एहसास हुआ। परिजन का आरोप है कि स्विमिंग पूल पर सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी।इसी कारण गिरवाई थाने पहुंचे और शव निकलवाकर पोस्टमॉर्टम कराने की मांग की। गिरवाई थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम पहुंचकर बच्चों के श्मशान से वेद का शव निकलवाएगी। इसके बाद पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। पुलिस प्रिंस मामा होटल पहुंचकर जांच करेगी और घटना के समय के सीसीटीवी फुटेज जुटाएगी।

पीएम मोदी के 'मन की बात' में सराहे गए किसान का अनोखा फैसला, जीते जी छपवा दिए अपनी तेरहवीं के कार्ड

सतना (ए.)। सतना के किसान और जैव विविधता संरक्षक रामलोटन कुशवाहा अपने जीते जी स्वयं की तेरहवीं और बरसी का आयोजन कर रहे हैं। देहदान को लेकर मिले तानों के जवाब में उन्होंने यह अनोखा कदम उठाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उनके जैव विविधता संरक्षण कार्य की सराहना कर चुके हैं।

सतना जिले के उचेहरा क्षेत्र से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने लोगों को हैरान भी किया है और सोचने पर मजबूर भी। अतरबेदिया गांव निवासी किसान और जैव विविधता संरक्षक रामलोटन कुशवाहा अपने जीते जी स्वयं की तेरहवीं और बरसी का आयोजन करने जा रहे हैं। इतना ही नहीं, इसके लिए उन्होंने बाकायदा शोक संदेश वाले निमंत्रण कार्ड भी छपवा दिए हैं, जिन्हें गांव और रिश्तेदारों के बीच बांटा जा रहा है। यह खबर सामने आते ही पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है। लोग इस आयोजन को अलग-अलग नजरिए से देख रहे हैं, लेकिन इसके पीछे छिपी वजह बेहद भावुक और सामाजिक संदेश देने वाली है।

कौन हैं रामलोटन कुशवाहा?

रामलोटन कुशवाहा कोई सामान्य किसान नहीं हैं। वे वर्षों से दुर्लभ और विलुप्त होती वनस्पतियों, औषधीय पौधों और पारंपरिक जड़ी-बूटियों के संरक्षण का काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने घर और आसपास के परिसर में देशी पौधों का एक अनूठा संग्रह तैयार किया है, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग पहुंचते हैं। उनके इस प्रयास की चर्चा राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच चुकी है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में रामलोटन कुशवाहा के कार्यों की सराहना की थी।

उन्होंने दहीमन, भटकटैया, लौकी समेत कई दुर्लभ और विलुप्त हो रही प्रजातियों को संरक्षित कर ग्रामीण स्तर पर जैव विविधता बचाने की अनूठी मिसाल पेश की है। यही वजह है कि उन्हें वर्ष 2024 में जैव विविधता प्रोत्साहन का प्रथम श्रेणी का राज्य स्तरीय पुरस्कार भी मिला था। राजधानी भोपाल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्हें ट्रॉफी और पुरस्कार राशि प्रदान की गई थी।

देहदान के फैसले के बाद शुरू हुई चर्चा

जानकारी के मुताबिक कुछ समय पहले रामलोटन कुशवाहा ने शासकीय मेडिकल कॉलेज सतना में देहदान करने का संकल्प लिया था। उनका मानना है कि मृत्यु के बाद शरीर भी समाज और चिकित्सा शिक्षा के काम आना चाहिए, लेकिन जैसे ही यह बात गांव और रिश्तेदारों तक पहुंची, लोगों ने तरह-तरह की बातें बनानी शुरू कर दीं। कुछ लोगों ने यहां तक कह दिया कि वे तेरहवीं और वर्षी का खर्च बचाने के लिए देहदान कर रहे हैं। लगातार मिल रहे तानों और कटाक्षों ने उन्हें भीतर तक आहत कर दिया। हालांकि उन्होंने इसका जवाब विवाद या नाराजगी से नहीं, बल्कि एक अनोखे सामाजिक संदेश के जरिए देने का फैसला किया।

"जब लोग तेरहवीं की बात कर रहे हैं, तो जीते जी ही कर लेते हैं"

रामलोटन कुशवाहा ने तय किया कि जब लोग उनकी तेरहवीं और बरसी को लेकर सवाल उठा रहे हैं, तो वे अपने जीते जी ही यह आयोजन करेंगे। उन्होंने शोक संदेश की शैली में कार्ड छपवाए और लोगों को निमंत्रण देना शुरू कर दिया। कार्ड में तेरहवीं और वर्षी के आयोजन की जानकारी दी गई है जिसे देखकर लोग हैरान रह गए। गांव में यह चर्चा का सबसे बड़ा विषय बन चुका है। हालांकि रामलोटन का कहना है कि उनका उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं, बल्कि समाज को यह संदेश देना है कि देहदान कोई गलत

व्यापार समाचार

ग्रांट थॉर्नटन रिपोर्टः अप्रैल में भारत में हुए 22.8 अरब के 220 कारोबारी सौदे, विदेशी कंपनियों में निवेश बढ़ा

नई दिल्ली। (ए.)। अप्रैल 2026 में भारत में कुल 220 बड़े कारोबारी समझौते हुए, जिनकी कुल कीमत 22.8 अरब डॉलर रही। यह सब ऐसे समय हुआ, जब दुनिया के कई देशों के बीच तनाव और आर्थिक अनिश्चितताएं हैं।

ग्रांट थॉर्नटन भारत की रिपोर्ट के अनुसार, कई भारतीय कंपनियों ने दूसरे देशों की कंपनियों को खरीदने या उनके साथ मिलकर काम करने के के लिए बड़े समझौते किए। इसी वजह से कुल सौदों की कीमत बहुत बढ़ गई। अप्रैल में पांच बड़े सौदे ऐसे थे, जिनकी कीमत एक अरब डॉलर से ज्यादा थी। इन पांच सौदों की कुल कीमत 17.4 अरब डॉलर रही।

कुल मिलाकर 103 ऐसे बड़े व्यापारिक सौदे (विलय और अधिग्रहण) हुए, जिनकी कीमत 18.7 अरब डॉलर रही। यह पिछले कई महीनों में सबसे ज्यादा है। इस महीने विदेशी कंपनियों को खरीदने या विदेश में निवेश करने वाले सौदे बहुत बढ़े। 21 ऐसे बड़े सौदे हुए, जिनकी कीमत 17.7 अरब डॉलर रही। निजी कंपनियों ने भी निवेश किया, लेकिन उनकी संख्या थोड़ी कम रही। अप्रैल में 109 ऐसे सौदे हुए, जिनकी कीमत 3.2 अरब डॉलर रही। पहले की तुलना में छोटे निवेश कम हुए। लेकिन जो निवेश हुए वे बहुत बड़े और ज्यादा पैसों वाले थे। यानी सौदों की संख्या कम थी, लेकिन हर सौदे में पैसा ज्यादा लगा।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। इसी के साथ ही इस सप्ताह की शुरुआत से ही जारी गिरावट का सिलसिला थम गया। बाजार में बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई 49.74 अंक बढ़कर 74,608.98 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स ने 74,134.48 का निचला और 75,191.57 का ऊपरी स्तर छुआ जिससे उतार-चढ़ाव का अंदाज होता है। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33.05 अंक ऊपर आकर 23,412.60 अंक पर बंद हुआ। बाजार में मेटल, ऑयल एंड गैस सेक्टर में खरीदारी देखी गई, जबकि आईटी और ऑटो शेयर दबाव में रहे।

सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, बजाज फिनसर्व, इटरनल, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस और मारुति सहित 16 शेयर नीचे आये जबकि एशियन पेंट्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.37 फीसदी तेजी आई। इसके अलावा टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, बीईएल, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टुब्रो, इंडिगो, आईटीसी और ट्रेंट के शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी से शुरुआत हुई। सेंसेक्स बढ़त के साथ ही 74,586 के स्तर पर और निफ्टी 23,468 के आसपास कारोबार करते दिखे।

रुपया 16 पैसे चढ़कर 95.52 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई (ए.)। रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से 16 पैसे चढ़कर 95.52 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। आयात शुल्क बढ़ाने के कारण अमेरिकी डॉलर की मांग में कमी के आसार से घरेलू मुद्रा को बल मिला है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि सोने के आयातकों के अपनी मांग कम करने से बाजार प्रतिभागी डॉलर-रुपये की जोड़ी में कुछ मजबूती की उम्मीद कर रहे हैं। सरकार ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर बुधवार को 15 प्रतिशत कर दिया।

आयात शुल्क बढ़ने से सोना 8550 रुपये और चांदी 20500 रुपये महंगी, बाजार में अफरातफरी

नई दिल्ली (ए.)। आयात शुल्क में भारी बढ़ोतरी के बाद 13 मई को सोने की कीमतें 8,550 रुपये और चांदी 20,500 रुपये उछली। सरकार ने गैर-जरूरी आयात कम करने के लिए शुल्क 6त्न से बढ़ाकर 15त्न किया। जानें बाजार पर इसका असर, निवेशकों की राय और आगे की चुनौतियां।

सरकार ने कीमती धातुओं पर आयात शुल्क बढ़ाया, जिसके बाद बुधवार, 13 मई को स्थानीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया। सोने का दाम 8,550 रुपये बढ़कर 1.65 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम से अधिक हो गया। वहीं, चांदी की कीमतों में भी 20,500 रुपये प्रति किलोग्राम की जबरदस्त वृद्धि हुई। यह बढ़ोतरी सरकार के गैर-जरूरी आयात को कम करने के फैसले का सीधा परिणाम है।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, दिल्ली के बाजारों में चांदी का दाम 2,77,000 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 2,97,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने की कीमत 8,550 रुपये बढ़कर 1,65,350 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जो पिछली बंद कीमत 1,56,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से 5 फीसदी से अधिक है। सरकार ने बुधवार को सोने और चांदी पर आयात शुल्क 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया। प्लेटिनम पर भी आयात शुल्क 6.4 फीसदी से बढ़ाकर 15.4 फीसदी किया गया है। ये नई दरें बुधवार से ही प्रभावी हो गई हैं। यह कदम पश्चिम एशिया संकट के बीच बढ़ते आयात बिल को नियंत्रित करने और गैर-जरूरी खरीद को हतोत्साहित करने के लिए उठाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विदेशी मुद्रा व्यय को कम करने के लिए सोने की खरीद पर अंकुश लगाने का आह्वान किया था।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

इंसाफ मिलने का भरोसा नहीं

सवाल यह नहीं है कि केजरीवाल की दलीलें कितनी वजनदार थीं। मुद्दा केजरीवाल का यह कहना है कि उन्हें न्यायमूर्ति शर्मा से इंसाफ मिलने का भरोसा नहीं है। इस शक का साया आगे की कार्यवाही पर भी पड़ा रहेगा।यह घिसा-पिटा कथन, लेकिन महत्त्वपूर्ण मानदंड है कि इंसाफ ना सिर्फ होना चाहिए, बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिए। और ऐसा तब कतई नहीं हो सकता, जब जज पर विवाद से संबंधित किसी एक पक्ष को भरोसा ना हो। दिल्ली हाई कोर्ट की न्यायाधीश न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका ठुकराते हुए इस अति महत्त्वपूर्ण पहलू की उपेक्षा कर दी। परंपरा भी यही है कि जहां जज के हित न्याय की अपेक्षा से टकराते हों अथवा जज की निष्पक्षता पर किसी पक्ष को संदेह हो, तो संबंधित न्यायाधीश उस मामले से खुद को अलग कर लेते हैं।दिल्ली उत्पाद नीति से संबंधित मुकदमे में केजरीवाल ने न्यायमूर्ति शर्मा की अदालत में उपस्थित होकर उनको लेकर अपने संदेह के पक्ष में लंबी दलीलें दीं। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में संभवत: यह पहली ऐसी कार्यवाही थी, जिसे पूरे देश ने लाइव सुना और देखा। ये दीगर बात है कि बाद में हाई कोर्ट ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स से खुद अपनी उस कार्यवाही के वीडियो को हटाने का विडंबनापूर्ण निर्देश जारी कर दिया। बहरहाल, सवाल यह नहीं है कि केजरीवाल की दलीलें कितनी वजनदार थीं। मुद्दा है कि केजरीवाल ने खुल कर कहा कि उन्हें न्यायमूर्ति शर्मा से इंसाफ मिलने का भरोसा नहीं है। उनकी पार्टी के नेताओं ने इसको सार्वजनिक चर्चा का विषय बना रखा है। ऐसे में आशंका है कि ठोस तथ्यों के आधार पर भी निर्णय अगर केजरीवाल के खिलाफ आया, तो उसकी विश्वसनीयता पर उनकी ओर सवाल खड़े किए जाते रहेंगे। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि 'अविश्वास के बीज बोने' की कोशिशों के दरवाजे नहीं खोले जा सकते। उन्होंने कहा कि जज की निष्पक्षता एक पूर्व-धारणा होती है। जज तभी मामले से अपने को अलग कर सकता है, जब वादी इस पूर्व-धारणा का खंडन करने में सफल रहे। हाई कोर्ट इस निष्कर्ष पर है कि केजरीवाल ऐसा करने में विफल रहे। इसलिए वह उनके नैरेटिव से बिना प्रभावित हुए आगे बढ़ेगा। मगर व्यवहार में अक्सर कथानक और दबी जुबान में होने वाली चर्चाओं की अपनी जिंदगी होती है। उनके असर की अनदेखी के अपने जोखिम होते हैं।

कौन जवाब देगा नीट की इस लगातार बिगड़ती व्यवस्था का?

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

कड़े नियमों, डिजिटल निगरानी और सुधार के दावों के बावजूद जब परीक्षा व्यवस्था बार-बार संदेह में आ जाए, तो नीट-यूजी 2026 जैसी घटनाएँ पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर देती हैं। 3 मई को देशभर के 22 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने डॉक्टर बनने के सपने के साथ परीक्षा दी, लेकिन कुछ ही दिनों में यह विवादों में घिर गई। 12 मई को एनटीए द्वारा परीक्षा रद्द करने और मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के फैसले ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। राजस्थान एसओजी की प्रारंभिक जांच में गेस पेपर और प्रश्नों के मेल ने परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर गंभीर चोट पहुँचाई। यह केवल परीक्षा रद्द होने की घटना नहीं, बल्कि पूरे परीक्षा तंत्र की गहरी संरचनात्मक विफलताओं का स्पष्ट संकेत बन गई। जब लाखों विद्यार्थी किसी परीक्षा के लिए अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष समर्पित करते हैं, तो उनका पूरा भविष्य उसी एक दिन से जुड़ जाता है। नीट अभ्यर्थियों ने कोचिंग, टेस्ट सीरीज, निरंतर अभ्यास और मानसिक दबाव के बीच कठिन संघर्ष किया, लेकिन परीक्षा रद्द होने के फैसले ने उनकी मेहनत को अनिश्चितता में धकेल दिया। ग्रामीण और छोटे शहरों के छात्रों पर भी इसका गहरा असर पड़ा, जो सीमित संसाधनों में भी बड़े सपने लेकर आगे बढ़ रहे थे। उनके लिए यह परीक्षा केवल प्रवेश नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक उन्नति का अवसर थी, जो फिर से अधर में लटक गया।जब किसी बच्चे के सपने को साकार करने के लिए परिवार अपनी पूरी जमा-पूंजी, कर्ज और संसाधन तक दाँव पर लगा देता है, तब ऐसा निर्णय उन्हें आर्थिक ही नहीं, गहरे मानसिक आघात से भी जकड़ देता है। मध्यमवर्गीय माता-पिता ने कोचिंग, हॉस्टल, किताबों और तैयारी पर अपनी सीमाओं से बाहर जाकर खर्च किया था। परीक्षा रद्द होने से यह निवेश अब सिर्फ आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि भावनात्मक टूटन में बदल गया है। कई घरों में तनाव और चिंता बढ़ गई है। माता-पिता के मन में अब यही सवाल गूंज रहा है कि क्या हर साल उनके बच्चों का भविष्य इसी तरह अनिश्चितता के अंधेरे में फँसा रहेगा? मल्टी-लेयर सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, फ्लाइंग स्क्वाड और सीलबंद प्रोटोकॉल जैसी मजबूत व्यवस्थाओं के बावजूद जब बार-बार पेपर लीक और प्रश्नों के मिलान जैसी घटनाएँ सामने आती हैं, तो यह परीक्षा प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। राजस्थान के सीकर जैसे कोचिंग केंद्र में उजागर हुआ गेस पेपर का मामला यह दिखाता है कि समस्या केवल परीक्षा केंद्र तक सीमित नहीं, बल्कि पूरी प्रक्रिया की श्रृंखला में कहीं गहराई तक फैली हो सकती है। प्रश्नपत्र निर्माण से लेकर भंडारण, परिवहन और वितरण तक हर चरण में यदि थोड़ी भी चूक रह जाए, तो पूरी परीक्षा की विश्वसनीयता पर सीधा असर पड़ता है। गलती सामने आने पर हर बार परीक्षा रद्द करना समाधान नहीं, बल्कि उसका सीधा बोझ छात्रों पर डाल देना बन जाता है, जबकि वास्तविक चूक करने वाली व्यवस्था अक्सर जवाबदेही से बच जाती है। यही सबसे बड़ा असंतुलन है। सिस्टम की खामियों को सुधारने के बजाय उसकी कीमत अभ्यर्थियों को समय, श्रम और मानसिक दबाव के रूप में चुकानी पड़ती है। यह सिलसिला बार-बार दोहराया जाता है, लेकिन जवाबदेही का स्पष्ट ढांचा आज भी कमजोर प्रतीत होता है। ऐसे में सवाल और भी तीखा हो जाता है कि जब सुरक्षा के इतने स्तर मौजूद हैं, तो आखिर चूक किस चरण में और किसकी लापरवाही से हो रही है? एनटीए द्वारा यह कहना कि छात्रों को दोबारा आवेदन नहीं करना होगा और फीस वापस कर दी जाएगी, केवल एक औपचारिक प्रशासनिक घोषणा प्रतीत होती है, जबकि मूल संकट जस का तस बना हुआ है। नई परीक्षा तिथि को लेकर बनी अनिश्चितता ने पूरे मेडिकल प्रवेश कैलेंडर को अस्त-व्यस्त कर दिया है। एमबीबीएस व अन्य मेडिकल पाठ्यक्रमों के सत्र में संभावित देरी का प्रभाव किसी एक बैच तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था पर पड़ेगा। हर टलती तारीख का अर्थ छात्रों के जीवन में समय, अवसर और भविष्य का लगातार पीछे खिसकना है। जब किसी एक परीक्षा पर उठे सवाल पूरे चिकित्सा शिक्षा ढांचे की साख को हिला दें, तो यह केवल शैक्षणिक मुद्दा नहीं, बल्कि सिस्टम की गहरी विफलता बन जाता है। एआईआईएमएस, जेआईपीएमईआर जैसे शीर्ष संस्थानों में प्रवेश नीट पर निर्भर है, और उसी परीक्षा की पारदर्शिता संदिग्ध हो जाए, तो पूरा मेडिकल भविष्य अस्थिर हो जाता है। छात्रों का असंतोष अब केवल भावनात्मक नहीं रहा, बल्कि एक संगठित और निर्णायक मांग में बदल चुका है—कड़ी सुरक्षा, वास्तविक डिजिटल पारदर्शिता और स्वतंत्र निगरानी व्यवस्था की।सीबीआई जांच की घोषणा ने भले ही उम्मीद जगाई हो कि दोषियों तक पहुंच संभव होगी, लेकिन केवल जांच अपने आप में समस्या का समाधान नहीं बन सकती। असली आवश्यकता गहरे प्रणालीगत सुधारों की है—जो केवल तकनीक तक सीमित न होकर प्रशासनिक ढांचे और संरचना दोनों को मजबूत करें। यदि स्पष्ट और कठोर जवाबदेही तय नहीं की गई, तो ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना कठिन होगा। परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, नियमित निगरानी और सख्त ऑडिट प्रणाली अब कोई विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्य आवश्यकता बन चुकी है।जब एक ही परीक्षा 22 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य का निर्णायक आधार बन जाए और वही बार-बार विवादों के घेरे में फँसती रहे, तो यह केवल शैक्षणिक असफलता नहीं बल्कि राष्ट्रीय प्रतिभा के क्षरण का गंभीर संकेत है। हर बार छात्रों का समय, परिश्रम और मानसिक ऊर्जा दांव पर लगती है, जबकि व्यवस्था में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। यह स्थिति अब सामान्य चिंता नहीं, बल्कि स्पष्ट चेतावनी बन चुकी है कि यदि तुरंत ठोस और निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो व्यवस्था पर से भरोसा पूरी तरह टूट सकता है।

मेहनत का कत्ल और जवाबदेही से बचता हुआ सिस्टम
जब परीक्षा तंत्र खुद बन गया अभ्यर्थियों का सबसे बड़ा दुश्मन

भाजपा की बंगाल फतह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का अहम योगदान, हिंदुओं के लिए अभी नहीं तो कभी नहीं की स्थिति थी

अजय दीक्षित

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 25 वर्षों की मेहनत का परिणाम है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने ममता बनर्जी की तुड़मूल कांग्रेस को हरा कर 207 सीट जीती और सत्ता हासिल की ।यह चमत्कार एक दिन या साल में नहीं हुआ बल्कि एक चौथाई शताब्दी लग गई। 21वीं सदी के आरंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य गतिशीलता से आरंभ हुआ हालांकि संघ आजादी के बाद से ही पश्चिमी बंगाल में जड़े जमाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन इस कार्य तेजी जब आई तब केंद्र में अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में सरकार बनी । तत्कालीन समय में संघ के क्षेत्रीय प्रचारक माखनलाल सरकार ने विद्या भारती की स्थापना की और कोलकाता में सरस्वती शिशु मंदिर स्थापित किए गए। धीरे धीरे ग्राम भारती, संस्कृत भारती, विश्व हिंदू परिषद, बनवासी कल्याण परिषद, मजदूर संघ,आदि संगठन बाजूद में आए। मजदूर संघ के प्रचारक तपन चक्रवर्ती कहते हैं कि लेफ्ट पार्टियों की सरकार ने इन संगठनों पर लगाम लगाने की कोशिश की । सीपीएम, सीपीई, आरएसपी के लोगों ने सरस्वती शिशु मंदिर को जलाने की कई कोशिशें की। कई शिक्षक मारे गए। लेकिन संघ ने हार नहीं मानी ।2010 के आते जाते 5000 से अधिक विद्यालय स्थापित हो गया था।

ये विद्यालय बिना शासकीय मदद के संचालित हो रहे थे।

लेकिन बंगाल में कार्य करना आसान नहीं होता था।इन विद्यालयों में ग्राम भारती, संस्कृत भारती, बनवासी कल्याण परिषद, सेवा भारती,के प्रकल्प शामिल है कुछ विद्यालय विवेकानन्द विद्या विकास समिति के माध्यम से भी संचालित हैं। भारत में पहला सरस्वती शिशु मंदिर गोरखपुर में 1952 में नाना जी देशमुख ने स्थापित किया था।

आजादी के समय जो देश का विभाजन हुआ उसमें मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र को पाकिस्तान में शामिल किया गया और वह क्षेत्र आजादी के बाद पूर्वी पाकिस्तान कहलाया इस हिस्से में हिंदू भी थे जिन्होंने भागकर पश्चिमी बंगाल में शरण ली ऐसा पंजाब में भी हुआ था। लेकिन तब भी पश्चिमी बंगाल में अच्छीखासी संख्या में मुस्लिम रह गए और वे भारत के नागरिक बने। इनकी संख्या, 25 फीसदी के आसपास पहुंच गए हैं। मिदनापुर,मालदा, वीरभूमि, मुर्शिदाबाद, उतर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, प्रेसीडेंसी, कोलकाता में 35 फीसदी तक मुस्लिम होगए।इस कारण ये लोग हिंसा करने को उतारू हो गए। हिंदू आवादी प्राय: शांत रहने की आदी है। दूसरे मुस्लिम वोट पहले सीपीएम, सीपीई, RSP लेफ्ट पार्टियों जाता था और बाद में तृणमूल कांग्रेस से जुड़ गया जबकि हिन्दू वोट का बटवारा हो जाता था जिससे कोई भी पार्टी जीतती वह मुस्लिम तुष्टिकरण करती है। सरकारी योजनाओं का मुस्लिम जम कर उठा रहे थे। पूरे बंगाल में इस प्रकार का माहौल हो गया था। संघ की पत्रिका के संपादक जॉय बनर्जी कहते हैं कि संघ इस बात को लेकर चिंतित था।

2011 में ममता बनर्जी बंगाल में सत्ता आई तो कुछ मामला ठीक हुआ लेकिन लेफ्ट पार्टियों में मुस्लिमों को खासा समर्थन था। 2016 में भारतीय जनता पार्टी ने चुनावों में 11.42 वोट हासिल किए तो संघ को लगा कि अब मौका है । दूसरी ओर मोदी सरकार केंद्र में स्थापित हो गई थी तो सुरक्षा में भी इजाफा हुआ। 2019 के लोकसभा चुनाव में अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 लोकसभा सीट जीतकर सत्ता परिवर्तन का रास्ता खोल दिया था।2021 के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पूरी कोशिश की ।तो भारतीय जनता पार्टी को आंशिक सफलता मिली लेकिन 77 विधायक चुने गए। 2021 से 2026 तक के कालखंड में शिवेंदु अधिकारी, दिलीप घोष, लॉकेट चटर्जी,आदि नेताओं ने जमकर तुड़मूल का सड़को पर विरोध किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में जनजागरण का कार्य किया। लोगो का तुड़मूल में बहुत विरोध हुआ। संदेश खाली,आर जी कर जैसी महिलाओं पर अत्याचार जैसी घटनाएं हुई। 2025 का विधानसभा चुनाव बंगाल के हिंदुओं के लिए अंतिम मौका था । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने दो लाख बैठके जनजागरण के लिए की । एस आई आर मतदाता सूची के गहन परीक्षण से साठ लाख लोगों को फर्जी वोटर पाया।चुनाव आयोग ने 2400 बटालियन सीआरपीएफ की लगाई जो मतदाता को निर्भय होकर मतदान कराना निश्चित किया । तब जाकर रिकॉर्ड 93 फीसदी मतदान हुआ ।

मोदी के राष्ट्रहित के आह्वान में भी राजनीति क्यों?

ललित गर्ग

आज पूरी दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं ने मानव सभ्यता को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। खाड़ी देशों में लंबे समय से चल रहे संघर्ष और युद्ध की विभीषिका ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित किया है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का बाधित होना, डॉलर के मुकाबले विभिन्न देशों की मुद्राओं का कमजोर होना और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्पन्न असंतुलन ने लगभग हर राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इन परिस्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और सोने का भी विश्व के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन के संयमित उपयोग और सोने की खरीद को सीमित करने का आह्वान केवल एक आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया दूरदर्शी चिंतन है। दुर्भाग्य यह है कि मोदी की मितव्ययिता की अपील पर पूरे देश को एकजुट होकर गंभीरता से विचार करना चाहिए था, उस विषय को भी राजनीतिक विवाद का हथियार बना दिया गया। कुछ विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री की इस अपील को जनता में भय फैलाने वाला कदम बताया, तो कुछ ने इसे सरकार की विफलताओं को छिपाने का प्रयास कहा। जबकि वस्तुतः यह अपील राष्ट्र को भविष्य की संभावित चुनौतियों के प्रति सचेत करने और समय रहते आत्मानुशासन अपनाने का संदेश है। यह राजनीति का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रश्न है। जब विश्व के बड़े-बड़े राष्ट्र आर्थिक संकटों से जूझ रहे हों, तब भारत के प्रधानमंत्री यदि नागरिकों को संयम एवं मितव्ययिता का सूत्र देते हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाना चाहिए।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। माता-पिता आज अपने बच्चों के लिए समय निकालेंगे और उनके साथ गेम खेलेंगे। सिंगर्स को आज किसी बड़े एल्बम में गाने का मौका मिल सकता है। आज ऑफिस के काम को समय से पूरा करने में आपको सफलता मिलेगी।

वृषभ राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आप परिवार वालों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे साथ ही जीवनसाथी के साथ आप किसी बात को लेकर विचार विमर्श करेंगे, इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन नई उमंगों भरा रहेगा। आज ऑफिस में आपके प्रमोशन होने की खुशखबरी मिलेगी। आप दोस्तों के साथ कुछ खुशी के पल बिताएंगे। साथ ही आपको दोस्तों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आज कार्य क्षेत्र में कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। परिवार से जुड़ी बड़ी परेशानी खत्म होने के योग हैं।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। आज अनावश्यक सोचने से बचें, नहीं तो आपकी उलझनें बढ़ सकती हैं। आज घरवालों के साथ खुशी का वातावरण रहेगा। आज जरूरी काम और रिश्तों के बारे में विचार अवश्य करें। उनसे महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। आज आप अपने दोस्त के साथ शाम को पार्टी करेंगे। आज कार्य स्थल पर आप उत्साह के साथ काम करेंगे, कलीग्स आपको फॉलो करेंगे। लेखकों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज परिवार में सुख समृद्धि का माहौल रहेगा। किसी नए भवन के निर्माण के लिए आज आप अपने भाइयों से विचार विमर्श करेंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज अपने से बड़े या किसी अनुभवी से सलाह लेकर आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे। आज आप मेहनत, धैर्य और समझदारी से जरूरी काम निपटा लेंगे। आज आपके पास बहुत सी जिम्मेदारियां हो सकती हैं। किसी कविता या कहानी के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है। आज आप नया वाहन लेने का प्लान बना सकते हैं।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपके विचारों को अहमियत मिलेगी, आपका सम्मान बढ़ेगा। आज आप माता पिता के साथ बैठकर भविष्य की योजनाओं पर बात करेंगे। आज आप किसी व्यक्ति को जरूरी काम करने के लिए साहस देंगे, ऐसा करके आपको अच्छा फील होगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज बड़ों की राय मानना आपके लिए बेहतर साबित हो सकता है। कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे छात्रों की मेहनत जल्द रंग लाएगी। इस राशि के इलेक्ट्रीशियन के कारोबारियों को व्यापार में अधिक लाभ मिलेगा। सामाजिक क्षेत्र में आपका मान सम्मान बढ़ेगा।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आप जीवनसाथी के साथ घूमने जाएंगे, जिससे रिश्ते में और मजबूती आएगी। आप एक दूसरे की भावनाओं को समझने के साथ ही जीवन की हर परिस्थिति में साथ देने का वादा भी करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स आज किसी विशेष टॉपिक को समझने के लिए अपने सीनियर्स की मदद लेंगे।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आप कहीं घूमने जा सकते हैं। आप किसी व्यक्ति की बातों से प्रभावित होंगे। आज समस्याओं से घबराने के बजाय उनको शांत मन से सुलझाने की कोशिश करें। आज आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की खास जरूरत है।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। दोस्त शाम के लिए बढ़िया योजना बनाकर आपकी शाम खुशनुमा कर देंगे। आज आप अपने आप में काफी अच्छा महसूस करेंगे। आज अच्छे काम के कारण लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके करियर में एक नया मोड़ आने वाला है। यह आपके लिए बढ़िया साबित होगा। आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आगे चलकर आपकी गहरी दोस्ती हो सकती है। जो चीजें महत्वपूर्ण हैं उनको खुद ही संभालें और जरूरत हो तो किसी अनुभवी की सलाह भी लें। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आएगी। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, काम करने में मन लगा रहेगा।

किस्सा थलपति के सीएम बनने का

तमिलनाडु : पेंच से पेंच निकालने का खेल

डॉ. सुधीर सक्सेना

सिनेमा से सियासत में आये 51 वर्षीय विजय जोसेफ चंद्रशेखर अंतत: जुम्मे के रोज तीन पार्टियों के समर्थन से मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुँचने में कामयाब हो गये। चार मई के नतीजों से उनकी बांछे खिलना स्वाभाविक था, अलबत्ता उनके और कुर्सी के दरम्यां दस कदमों का फासला था। एकबारगी शपथ लेने के बाद इसे पूरना कठिन नहीं था, किंतु राज्यपाल राजेन्द्र अर्लेकर की शपथ-पूर्व बहुमत की तस्दीक की शर्त ने उन्हें राजभवन से बैरंग लौटने को विवश कर दिया। इससे उनके लाखों समर्थकों और विधायकों में जहां मायूसी फैली, सियासत की मुंडेर पर अटकलों के सब्जों के उगने का क्रम तेज हो गया। इसके बाद घड़ी के काँटे तेजी से घूमे और काँटे से काँटा निकालने का दिलचस्प खेल देखने को मिला।

नयी सरकार के गठन में राज्यपाल के पहले नुकीले काँटे ने एक साथ आशंकाओं और संभावनाओं को जन्म दिया। देखते-देखते कई काँटे उग आये। सबसे बड़ा काँटा था दोनों द्रविड़ दलों के एक मंच पर आने का, लेकिन लंबी पारी खेलने के अनुभवी खिलाड़ी एवं पूर्व सीएम स्तालिन ने इस काँटे को यह कहकर दूर कर दिया कि वह विपक्ष में बैठने के जनादेश का पालन करेंगे। बड़े दिल का परिचय देते हुए उन्होंने थलपति को शपथ दिलाने का समर्थन करते हुये यहां तक कहा कि द्रमुक आगामी छह माह तक कोई विरोध या आंदोलन नहीं करेगी। उनके अपने पारंपरिक बैरी से हाथ मिलाकर और हॉर्स ट्रेडिंग को बढ़ावा देने का कोई प्रश्न ही नहीं था।

जहां तक कांग्रेस का प्रश्न है, कांग्रेस ने वक्त के तकाजे को बूझा और दुविधा के बजाय तुरंत फैसला लिया। राहुल गांधी ने कहा कि यह जनादेश युवकों की बढ़ती आवाज को दिखाता है, जिसे नजरंदाज नहीं किया जा सकता। कांग्रेस ने बाहरी समर्थन के बजाय भागीदारी को चुना। यकीनन कर्नाटक, तेलंगाना, केरलम के बाद तमिलनाडु में सत्ता में आने से उसे नयी गिजा मिलेगी। इस सारे प्रसंग का अहम पहलू यह भी है कि विजय और उनके पिता के मन में कांग्रेस के प्रति स्वाभाविक आसक्ति है और टीवीके की सत्ता को वे भाजपा की परछाईं से भी दूर रखना चाहते थे। यह अकारण नहीं है कि बीजेपी की प्रांतीय ईकाई की उपाध्यक्ष खुशबू सुंदर ने थलपति के पक्ष में बयान दिया और कमलहासन और प्रकाश राज जैसी हस्तियों ने थलपति को सीएम पद की शपथ दिलाने का समर्थन किया।

तमिलनाडु में चले घटनाक्रम का एक बड़ा खटकेनुमा पेंच यह था कि कहीं राज्यपाल अर्लेकर दिल्ली की शह पर तमिलनाडु में राष्ट्रपति शासन न लगा दें। दोनों कम्युनिस्ट पार्टियों-सीपीआई और सीपीएम ने इस पेंच को समझ लिया। दोनों ही दल चाहते थे कि तमिलनाडु में जनादेश लागू हो और राज्य सरकार दिल्ली के रिमोट से नहीं चले। इसीलिये राष्ट्रपति शासन, खरीद फरोख्त और अवसरवादिता को रोकने के ऐलान के साथ उन्होंने बाहर से समर्थन की घोषणा की। दो सीटों की बाकी कमी वीसीके (विदुथलाई चिरूथिगल काची) ने पूरी कर दी। बताते चलें कि वीसीके ब्लैक पैंथर्स और दलित पैंथर्स की तर्ज पर गठित पार्टी है। सन 1990 के दशक में दलित नेता के तौर पर उभरे इसके संस्थापक अध्यक्ष थोल तिरूमावलवन के बारे में कयास लगाया जा रहा है कि वह लोकसभा से इस्तीफा देकर विजय-सरकार में शामिल हो सकते हैं। इस सारे कथाक्रम का एक और बड़ा पहलू यह है कि नतीजों की छाँव में अन्नाद्रमुक ने बीजेपी से रिश्ते एक बार फिर तोड़ लिये हैं। यह भी खबर है कि राहुल पर्दे के पीछे से थलपति को लगातार गाइड कर रहे हैं।

नीट पेपर लीक सीबीआई इंवेस्टीगेशन : गुरुग्राम के डॉक्टर से 30 लाख की डील, राजस्थान के दो भाई गिरफ्तार

नई दिल्ली (ए.)। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। जांचकर्ताओं का पूरा ध्यान अब गुरुग्राम के एक रहस्यमयी डॉक्टर पर टिक गया है, जिससे कथित तौर पर राजस्थान के जमवा रामगढ़ के दो भाइयों ने 30 लाख रुपये में परीक्षा से एक सप्ताह पहले ही पेपर खरीद लिया था। पुलिस ने जमवा रामगढ़ निवासी मांगीलाल और दिनेश बीवाल को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इन दोनों भाइयों ने 26 अप्रैल को ही गुरुग्राम के एक डॉक्टर से पेपर हासिल कर लिया था। दोनों भाइयों में से एक ने जब यह पेपर अपने बेटे को दिया, जो सीकर में मेडिकल एंट्रेंस टेस्ट की तैयारी कर रहा था, तो उन्होंने कथित तौर पर 29 अप्रैल को इसे कई लोगों को बेच दिया। सीकर, जो जमवा रामगढ़ से ढाई घंटे की दूरी पर है, इस साल के पेपर लीक

घोटाले का मुख्य केंद्र बनकर उभरा है। जमवा रामगढ़ से, यह पेपर कथित तौर पर सीकर में एक एमबीबीएस काउंसलिंग एजेंट, राकेश कुमार मंडावरिया को बेचा गया। उसने कथित तौर पर इसे वहां से आगे बढ़ाया। शहर के बड़े कोचिंग संस्थानों के बाहर काम करते हुए, राकेश ने बाद में यह पेपर 30,000 रुपये में अपने एक साथी को बेच दिया -- जो सीकर का ही एक छात्र था और केरल में एबीबीएस कर रहा था। परीक्षा से एक दिन पहले, उस छात्र ने कथित तौर पर यह पेपर अपने पिता को भेजा, जो सीकर में एक पीजी (पेइंग गेस्ट) संचालक हैं। मैसेज में लिखा था, पापा, सीकर के एक दोस्त ने मुझे यह भेजा है। कृपया इसे अपने हॉस्टल में रहने वाली लड़कियों को दे देना। कल की परीक्षा में यही आएगा। इसके बाद पिता ने कथित तौर पर इसे हॉस्टल में रहने वाली लड़कियों के बीच बांट दिया। गुरुग्राम का वह डॉक्टर इस मामले में एक अहम कड़ी के तौर पर सामने आ रहा है। इससे पहले, राजस्थान पुलिस के सूत्रों ने इंडिया टुडे को बताया था कि यह लीक सीधे नासिक की प्रिंटिंग प्रेस से शुरू हुआ हो सकता है, और फिर एक चेन नेटवर्क के ज़रिए गुरुग्राम के डॉक्टर तक पहुंचा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

आतंकवादियों की घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश नाकाम, एक आतंकी ढेर

श्रीनगर (ए.)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास सेना ने आतंकवादियों की घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। अधिकारियों के अनुसार यह घटना कृष्णा घाटी अग्रिम क्षेत्र में हुई, जहां सतर्क सैनिकों ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की ओर से भारतीय सीमा में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे आतंकवादियों के एक समूह की गतिविधियों का पता लगाया। सेना के जवानों ने तुरंत उन्हें ललकारा, जिसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। इस कार्रवाई में एक घुसपैठिया मारा गया। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि लगातार निगरानी के दौरान शाम करीब चार बजे

नियंत्रण रेखा पर संदिग्ध गतिविधि देखी गई थी। बताया गया कि घुसपैठिए भारतीय क्षेत्र में लगभग तीन सौ मीटर भीतर तक आने की कोशिश कर रहे थे। सेना ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस प्रयास को विफल कर दिया। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार मारा गया घुसपैठिया लश्कर ए तैयबा से जुड़ा हो सकता है और वह मनकोट के बिचो चौकी क्षेत्र के पास से घुसपैठ की कोशिश कर रहा था। सेना ने कहा कि पूरे क्षेत्र में अभियानगत तत्परता बनाए रखी गई है और नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बलों का दबदबा कायम है। इसी बीच जम्मू जिले में भी सुरक्षा हालात की समीक्षा को लेकर उच्च स्तरीय गतिविधियां तेज हो गई हैं। जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगिंदर सिंह ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले की मौजूदा सुरक्षा स्थिति का आकलन करना और खुफिया तंत्र की प्रभावशीलता की समीक्षा करना था। बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि असामाजिक और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के प्रति किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी।

सरकार का ऐलान, महिलाओं को मिलेंगे 3000 रुपये, इस तारीख को बैंक खाते में आएंगे पैसे

नई दिल्ली(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार ने अपने पहले ही दिन बड़े फैसलों का ऐलान कर राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की अगुवाई में हुई पहली कैबिनेट बैठक में महिलाओं को केंद्र में रखते हुए कई अहम घोषणाएं की गईं। सरकार ने साफ संकेत दिया है कि उसका फोकस महिला सशक्तिकरण और सीधे आर्थिक सहायता पर रहेगा।

नबन्ना सचिवालय में आयोजित कैबिनेट बैठक के बाद सरकार ने घोषणा की कि 1 जून से राज्य की पात्र महिलाओं को 'अन्नपूर्णा भंडार' योजना के तहत हर महीने 3,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। नई सरकार ने इसे महिलाओं की आर्थिक मजबूती की दिशा में बड़ा कदम बताया है। खास बात यह है कि यह योजना पिछली सरकार की 'लक्ष्मी भंडार' योजना का ही एक बड़ा और बेहतर रूप है। जहां पहले महिलाओं को 1,000 या 1,200 रुपये के आसपास मिलते थे, वहीं अब बीजेपी सरकार के वादे के मुताबिक, इसे बढ़ाकर सीधा 3,000 रुपये कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि यह योजना पिछली सरकार की 'लक्ष्मी भंडार' योजना का विस्तारित और संशोधित रूप होगी। पहले जहां महिलाओं को सीमित आर्थिक सहायता मिलती थी, वहीं अब राशि बढ़ाकर सीधे 3,000 रुपये कर दी गई है। सरकार के मुताबिक जो महिलाएं पहले से लक्ष्मी भंडार योजना का लाभ ले रही थीं, उन्हें दोबारा आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी। पुराने लाभार्थियों को स्वत: नई योजना में शामिल किया जाएगा। सरकार ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की भी घोषणा की है। 1 जून से राज्य परिवहन की सरकारी बसों में महिलाओं को बिना किराए सफर करने की सुविधा मिलेगी। सरकार का कहना है कि इससे कामकाजी महिलाओं, छात्राओं और ग्रामीण इलाकों से आने-जाने वाली महिलाओं को आर्थिक राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि पिछली सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंच रहा है, उन्हें जारी रखा जाएगा और जरूरत पड़ने पर उनमें सुधार भी किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार आने वाले दिनों में सरकार रोजगार, किसानों और युवाओं से जुड़े कुछ और बड़े फैसले ले सकती है। अगले सप्ताह होने वाली कैबिनेट बैठक में कई नई योजनाओं पर मुहर लगने की संभावना जताई जा रही है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि नई सरकार शुरुआत से ही जनता के बीच मजबूत संदेश देने की कोशिश कर रही है। खासकर महिलाओं को सीधे आर्थिक लाभ और मुफ्त यात्रा जैसी योजनाओं को आगामी राजनीतिक रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

बंगाल में असम मॉडल अपनाएगी भाजपा, सीएम सुवेंदु बोले- अवैध घुसपैठियों पर होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को अवैध घुसपैठ के खिलाफ असम की तर्ज पर सख्त कार्रवाई करने का संकेत दिया। उन्होंने सीमा पर कड़ी निगरानी, बांग्लादेश सीमा पर तेजी से बाड़ लगाने और पीएम नरेंद्र मोदी के पूर्वोदय अभियान के तहत BJP-शासित पूर्वी राज्यों के बीच बेहतर तालमेल का वादा किया। असम में सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के दूसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान यह बातें उन्होंने कही। इसके साथ ही सीएम सुवेंदु ने असम और त्रिपुरा को बंगाल की सुरक्षा और राजनीतिक रणनीति के लिए एक मिसाल के तौर पर पेश किया। उन्होंने आगे कहा, देश के हित में असम और त्रिपुरा में जिस तरह का काम किया गया है, अब BJP बंगाल में भी वैसा ही काम करेगी। इस तरह उन्होंने असम की सीमा सुरक्षा रणनीति को बंगाल के लिए BJP के रोडमैप से जोड़ने का काम किया। उन्होंने कहा, असम की तरह ही, हम भी अवैध घुसपैठियों से निपटने और बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगे

स्मार्ट मीटर डिफेक्टिव क्वालिटी पर सवाल

नई दिल्ली (ए.)। प्रदेश के कई शहरों में लगाए गए स्मार्ट मीटरों की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। उपभोक्ताओं की शिकायत है कि कई मीटर कुछ ही महीनों में खराब हो गए, जबकि इन्हें तकनीकी परीक्षण और लैब टेस्ट के बाद लगाया गया था। कई घरों में मीटर की डिस्प्ले बंद हो गई है, जिससे उपभोक्ताओं को रोजाना बिजली खपत की जानकारी नहीं मिल पा रही। कुछ मीटरों में रियल टाइम डेटा अपडेट नहीं होने और गलत रीडिंग दिखने की भी शिकायतें सामने आई हैं। बिजली कंपनियों का कहना है कि खराबी की तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक तौर पर मैन्युफैक्चरिंग दोष, डिस्प्ले मॉड्यूल की खराबी और वोल्टेज फ्लक्चुएशन को कारण माना जा रहा है। जिन क्षेत्रों से ज्यादा शिकायतें आई हैं, वहां तकनीकी टीमों को भेजा गया है। जरूरत पड़ने पर प्रभावित मीटरों को दोबारा लैब टेस्टिंग के लिए भेजा जाएगा।

तमिलनाडु में बड़ा उलटफेर, विजय को फ्लोर टेस्ट में मिला 144 विधायकों का समर्थन; एआईएडीएमके में टूट!

नई दिल्ली(आरएनएस)। तमिलनाडु में सी. जोसेफ विजय की टीवीके सरकार फ्लोर टेस्ट में पास हो गई है। तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर ने इसकी घोषणा की। विश्वासमत के समर्थन में 144 विधायकों ने वोट दिया, जबकि विरोध में 22 वोट पड़े। इसके अलावा 5 विधायक गैर मौजूद रहे। इससे पहले जब फ्लोर टेस्ट की कार्यवाही चल रही थी, उसमें कांग्रेस और वामपंथी दलों ने सरकार को समर्थन दिया। जबकि विपक्षी डीएमके ने सदन से वॉकआउट किया और मतदान में हिस्सा नहीं लिया। वहीं, बीजेपी अपने एकमात्र विधायक के साथ तटस्थ रही। इससे पहले, मुख्यमंत्री विजय ने विश्वास मत हासिल करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया। संबंधित पार्टियों के सदन के नेताओं को सबसे पहले बोलने की अनुमति दी गई। एआईएडीएमके के जनरल सेक्रेटरी के पलानीस्वामी ने कार्यवाही में विजय की सरकार का विरोध किया।वणज्यिक ठहराव सूची में ठाकुरगंज स्टेशन को भी शामिल किया गया है। इससे किशनगंज, ठाकुरगंज, अररिया, सिलीगुड़ी और नेपाल सीमा क्षेत्र के यात्रियों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। लंबे समय से इस क्षेत्र के लोग उत्तर भारत के लिए बेहतर रेल सुविधा की मांग कर रहे थे।

नई दिल्ली में ब्रिक्सः विदेश मंत्रियों की बैठक का आगाज

नई दिल्ली (ए.)। नई दिल्ली में 14 और 15 मई को ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक शुरू हो गई है। भारत इस साल 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, और इसी कड़ी में इस दो दिवसीय आयोजन में सदस्य देशों तथा कई आमंत्रित राष्ट्रों के वरिष्ठ राजनयिकों का जमावड़ा लगा है। बैठक का उद्देश्य वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करना। इस बैठक में ब्राजील, रूस, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया और इंडोनेशिया के विदेश मंत्रियों के शामिल होने की संभावना है। संयुक्त अरब अमीरात का प्रतिनिधित्व उप-विदेश मंत्री स्तर पर होने की उम्मीद है, जबकि चीन के शेरपा का प्रतिनिधिमंडल इसमें शिरकत करेगा। दक्षिण अफ्रीका के अंतरराष्ट्रीय संबंध मंत्री रोनाल्ड ओजी लामोला मंगलवार को और इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगिओनो बुधवार को नई दिल्ली पहुंच चुके हैं। ईरान ने भी अपने विदेश मंत्री अब्बास अराघची के शामिल होने की सूचना दी है, हालांकि क्षेत्रीय स्थिति के कारण उनकी योजना में बदलाव संभव है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी जल्द पहुंचने वाले हैं, जहां वे अपने भारतीय समकक्ष एस. जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेगा। उल्लेखनीय है कि चीन के विदेश मंत्री वांग यी व्यस्तता के चलते बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं; उनके स्थान पर भारत में चीन के राजदूत शी फीहोंग प्रतिनिधित्व करेंगे।

सोनिया गांधी को गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में कराया गया एडमिट, होनी है सर्जरी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को बुधवार को गुरुग्राम स्थित मेदांता में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, उन्हें एक छोटी सर्जरी के लिए अस्पताल ले जाया गया है। हालांकि, सर्जरी से जुड़ी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है।इससे पहले मार्च 2026 में भी तबीयत बिगड़ने के बाद सोनिया गांधी को दिल्ली के सर गंगा राम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उस समय चिकित्सक अरूप बसु की निगरानी में उनका उपचार चला था। बताया गया था कि उन्हें फेफड़ों से जुड़ी समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। राजनीतिक दृष्टि से भी यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि सोनिया गांधी इस समय केरल में सरकार गठन को लेकर अहम भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में संयुक्त लोकतांत्रिक

मोर्चा की जीत के बाद कांग्रेस वहां सरकार बनाने की प्रक्रिया में जुटी हुई है। इस सिलसिले में दिल्ली और तिरुवनंतपुरम में कई दौर की बैठकों का आयोजन हो चुका है। सूत्रों के अनुसार, केरल में मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी के भीतर मंथन जारी है। केसी वेणुगोपाल, रमेश चेन्निथला और वीडी सतीशन को प्रमुख दावेदार माना जा रहा है। हाल ही में हुई बैठक में तीनों नेताओं ने अपनी-अपनी दावेदारी रखी, हालांकि अंत में सभी ने शीर्ष नेतृत्व के फैसले को स्वीकार करने की बात कही। पार्टी सूत्रों का कहना है कि अधिकांश विधायकों का झुकाव केसी वेणुगोपाल की ओर माना जा रहा है, लेकिन अंतिम फैसला सभी वरिष्ठ नेताओं की सहमति के बाद ही लिया जाएगा। वहीं राहुल गांधी को भी यह तय करना है कि वे वेणुगोपाल को केरल का मुख्यमंत्री बनाएं या संगठन महासचिव के रूप में अपने साथ बनाए रखें।

कांग्रेस नेतृत्व ने हाल के दिनों में नेताओं और समर्थकों से पोस्टरबाजी और शक्ति प्रदर्शन से बचने की अपील भी की थी। माना जा रहा था कि अगले 24 से 48 घंटों में मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला हो सकता है, जिसमें अंतिम निर्णय सोनिया गांधी की सहमति से लिया जाना था। हालांकि, उनके अस्पताल में भर्ती होने के बाद अब केरल में सरकार गठन की प्रक्रिया में कुछ देरी की संभावना जताई जा रही है।

प्रतीक यादव के निधन से दुखी अखिलेश, बोले- कानून और परिवार जो तय करेगा, वही मानेंगे

लखनऊ,(आरएनएस)। सपा मुखिया अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव के बुधवार को हुए निधन से यादव परिवार और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। प्रतीक यादव के निधन के बाद अखिलेश यादव लखनऊ स्थित पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे, जहां वह काफी देर तक मौजूद रहे। बाहर निकलने के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में गहरा दुख जताते हुए कहा कि कुछ महीने पहले उनकी प्रतीक से मुलाकात हुई थी और उन्होंने उन्हें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी थी। अखिलेश यादव ने कहा, करीब दो महीने पहले हमारी मुलाकात हुई थी। मैंने उनसे कहा था कि अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और अपने कारोबार को आगे बढ़ाएं। कई बार कारोबार में नुकसान होने पर व्यक्ति अंदर से टूट जाता है। उन्होंने अपने छोटे भाई को याद करते हुए कहा, मैंने प्रतीक को बचपन से देखा है। यह बेहद दुखद है कि वह आज हमारे बीच नहीं हैं। वह जीवन में आगे बढ़कर काम करना चाहते थे। उनके जाने से परिवार को गहरा आघात पहुंचा है। मौत के कारणों को लेकर पूछे गए सवाल पर सपा प्रमुख ने संयमित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि परिवार और कानून जो तय करेगा, वही स्वीकार किया जाएगा। उन्होंने कहा, कानून और परिवार के लोग जो कहेंगे, हम उसी बात को मानेंगे। हम पूरी तरह कानूनी रास्ता अपनाएंगे। उधर, सैफई स्थित यादव परिवार के पैतृक आवास के बाहर सन्नाटा पसरा हुआ है। परिवार के अधिकांश सदस्य लखनऊ रवाना हो गए हैं। इटावा और सैफई क्षेत्र में भी शोक का माहौल देखा जा रहा है। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे और भाजपा नेता अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव का शव, पोस्टमॉर्टम के लिए लखनऊ स्थित केजीएमयू लाया गया है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान, भाजपा नेता अपर्णा यादव के पति और समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव के निधन के बाद उनके आवास पर पहुंचीं। उन्होंने कहा, यह एक बहुत ही दुखद घटना है... ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। भगवान परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें।

चेन्नई, तमिलनाडु में तमिलनाडु विधानसभा में सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार के बहुमत को साबित करने के लिए आयोजित फ्लोर टेस्ट की कार्यवाही के बाद, तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के विधायकों ने जीत का निशान दिखाया।

एआईएडीएमके में पलानीस्वामी का बड़ा एक्शन, फ्लोर टेस्ट के बाद षणमुगम-वेलुमणि की छुट्टी

रांची (ए.)। पलानीस्वामी ने दावा किया कि एआईएडीएमके विधायकों को विधानसभा नेता, उपनेता या व्हिप के औपचारिक चुनाव के लिए कभी बैठक के लिए नहीं बुलाया गया था, जो ईपीएस गुट के दावों के विपरीत है। उन्होंने यह भी दावा किया कि स्पीकर को ईपीएस द्वारा सौंपा गया पत्र जाली था। तमिलनाडु में चार दिन पुरानी टीवीके सरकार ने बुधवार को विधानसभा में विश्वास मत जीतकर अपनी पहली बड़ी परीक्षा सफलतापूर्वक पास कर ली। विश्वास मत 144 वोटों के मुकाबले 22 वोटों के अंतर से आसानी से पारित हो गया। मुख्यमंत्री विजय ने एआईएडीएमके के 25 बागी विधायकों के समर्थन से सदन का विश्वास हासिल किया। विपक्षी डीएमके, जिसके 234 सीटों वाली विधानसभा में 59 सदस्य हैं, ने विरोध में कार्यवाही के दौरान वॉकआउट किया। विपक्ष ने बहस के दौरान विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोप लगाए, लेकिन मुख्यमंत्री विजय ने इनका पुरजोर खंडन किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार धर्मनिरपेक्ष बनी रहेगी और पिछली सरकारों द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं को लागू करती रहेगी। मतदान में, पार्टी नेता एडप्पाडी के पलानीस्वामी के प्रति वफादार 22 एआईएडीएमके विधायकों ने सरकार के खिलाफ मतदान किया। हालांकि, शनमुगम और वेलुमणि के नेतृत्व वाले समूह से जुड़े 25 अन्य एआईएडीएमके विधायकों ने विश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया, जैसा कि उन्होंने पहले घोषणा की थी। सरकार को कई अन्य दलों और सदस्यों का भी समर्थन मिला। इनमें कांग्रेस, वीसीके, वामपंथी दल, आईयूएमएल और निर्दलीय विधायक एस कामराज शामिल थे, जिन्हें टीवीके सरकार का समर्थन करने के कारण पहले एएमएमके से निष्कासित कर दिया गया था।

संजना पांडे ने अवॉर्ड जीतकर बढ़ाया भोजपुरी का मान

मुंबई (ए.)। अपनी दमदार अभिनय क्षमता से भोजपुरी अभिनेत्री संजना पांडे ने फिर दर्शकों और समीक्षकों का दिल जीत लिया है। अभिनेत्री को हाल ही में 'जी भोजपुरी 2026' अवॉर्ड समारोह में उनकी चर्चित फिल्म 'कलेक्टर साहिबा' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री और 'बहुमुखी अभिनेत्री' के सम्मान से नवाजा गया।

इस उपलब्धि के बाद अभिनेत्री ने अपनी खुशी सोशल मीडिया के जरिए प्रशंसकों के साथ साझा की और पूरी टीम के प्रति आभार जताया। संजना पांडे ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पुरस्कार समारोह की कई तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह ट्रॉफी के साथ बेहद भावुक और गर्वित नजर आ रही थीं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि यह सम्मान उनके लिए केवल एक अवॉर्ड नहीं, बल्कि जिंदगी का बेहद खास और भावनात्मक पल है। अभिनेत्री ने कहा कि जिस बिहार की मिट्टी में उन्होंने जन्म लिया और परवरिश पाई, उसी धरती पर सम्मानित होना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होती है।

अभिनेत्री ने अपनी सफलता का श्रेय पूरी टीम को देते हुए फिल्म के निर्देशक इश्तियाक शेख बंटी और सह-कलाकार गौरव झा का विशेष धन्यवाद किया। इसके अलावा उन्होंने फिल्म के लेखक अरविंद तिवारी सहित सभी कलाकारों और तकनीकी टीम के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

संजना ने कहा कि टीमवर्क, विश्वास और सभी के सहयोग के बिना यह मुकाम हासिल करना संभव नहीं था। अपने संदेश में संजना पांडे ने परिवार, दर्शकों और ईश्वर का भी धन्यवाद किया।

उन्होंने लिखा कि जब कोई कलाकार पूरी मेहनत, ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करता है, तो उसकी मेहनत एक न एक दिन जरूर पहचानी जाती है। उन्होंने भोजपुरी भाषा और समाज के प्रति गर्व व्यक्त करते हुए 'जय भोजपुरी, जय भोजपुरी समाज' का संदेश भी दिया। फिल्म 'कलेक्टर साहिबा' को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला था।

'क्या कमाल है' को लेकर चर्चा में शरवरी वाघ

मुंबई (ए.)। अपनी आगामी फिल्म 'क्या कमाल है' को लेकर अभिनेत्री शरवरी वाघ लगातार चर्चा में हैं। हाल ही में फिल्म का नया रोमांटिक गीत 'मस्कारा' रिलीज हुआ है, जिसने दर्शकों के बीच खास जगह बना ली है। इस गाने में शरवरी का अंदाज पुराने दौर की बॉलीवुड अभिनेत्रियों के रोमांस की याद दिला रहा है।

अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अभिनेत्री ने इस गाने की शूटिंग के दौरान के कुछ खास बीटीएस पल साझा किए। अभिनेत्री ने पोस्ट के जरिए निर्देशक इम्तियाज अली के साथ काम करने के अनुभव को बेहद खास बताया। उन्होंने लिखा कि शूटिंग के दौरान वह और इम्तियाज अली एक खास एहसास को 'किस-मिस यारा' कहा करते थे। शरवरी के अनुसार यह एक मजेदार शब्द है, जो पहली बार प्यार में पड़ने पर महसूस होने वाली मीठी, हल्की और गुदगुदाने वाली भावना को दर्शाता है। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म में उनका किरदार 'जिया' कई बार इसी तरह के भावनात्मक और मासूम एहसासों से गुजरता है। उन्होंने कहा कि गाने में उनका नटखट और शरारती अंदाज दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। शरवरी ने यह भी बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना उनके लिए सीखने वाला अनुभव रहा। उन्होंने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अभिनय की उन बारीकियों को समझने में मदद की, जिनके बारे में वह पहले खुद भी नहीं जानती थीं।

शरवरी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि उन्होंने इम्तियाज अली को देखकर भावनाओं को समझने और कहानी कहने की कला के बारे में बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने निर्देशक का आभार जताते हुए कहा कि उन पर भरोसा करने और हर कदम पर मार्गदर्शन देने के लिए वह हमेशा उनकी शुक्रगुजार रहेंगी। 'मस्कारा' गाने में शरवरी का लुक बेहद क्लासी और आकर्षक रखा गया है। गाने की रोमांटिक धुन, खूबसूरत लोकेशंस और मासूम केमिस्ट्री ने सोशल मीडिया पर इसे तेजी से लोकप्रिय बना दिया है। इस गीत को वेदांग रैना और नीलांजना घोष दस्तीदार ने आवाज दी है।

मॉमीज डे एवरीडे : अनन्या पांडे

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड फिल्म निर्माता करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म चांद मेरा दिल में बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे अभिनेता लक्ष्य के साथ दिखाई देंगी। इस बीच, मदर्स डे के विशेष अवसर पर, अनन्या ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी मां भावना पांडे के साथ खास रिश्ते की एक दिल छू लेने वाली झलक साझा की।

बेहद मजाकिया अंदाज में अभिनेत्री ने बताया कि वह अपनी मां के सिर पर 24 घंटे सातों दिन सवार रहती हैं, जो दर्शाता है कि उनका रिश्ता कितना करीबी और चंचल है।

अनन्या ने अपनी पोस्ट में कई तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह अपनी मां भावना पांडे, पिता चंकी पांडे और बहन राइसा पांडे के साथ बेहद प्यारे और खास पल बिताती नजर आईं। अनन्या ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, "मॉमीज डे एवरीडेज आखिरी फोटो दिखाती है कि मैं अपनी मां के सिर पर 24/7 कैसे बैठी रहती हूं।" यह कैप्शन पढ़कर भावना पांडे ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए कमेंट सेक्शन में लिखा, "लव यू।"इस प्यारी बातचीत ने फैंस का दिल जीत लिया और पोस्ट पर ढेरों लाइक्स और कमेंट्स आने लगे।

जिस तस्वीर का जिक्र अनन्या ने अपने कैप्शन में किया था, वह एक बेहद मजेदार दृश्य को दिखा रही थी। न्यूयॉर्क सिटी की एक सड़क पर ली गई इस तस्वीर में एक पालतू कुत्ता अपने मालिक के सिर पर आराम से बैठा दिखाई दे रहा था। अनन्या ने इस तस्वीर के जरिए अपनी और अपनी मां की बॉन्डिंग को हास्यपूर्ण तरीके से दर्शाया, कि वह अपनी मां के जीवन में कितना महत्वपूर्ण और निरंतर हिस्सा हैं, ठीक वैसे ही जैसे वह कुत्ता अपने मालिक के सिर पर बैठा है। फोटो कैरोसेल की पहली तस्वीर में, अनन्या अपनी मां और बहन के साथ बाहर खुले में पोज देती नजर आईं, जहां वे तीनों बेहद स्टाइलिश और खुश दिख रही थीं।

वहीं, एक अन्य तस्वीर में अनन्या और भावना किसी शांत और पवित्र प्रार्थना स्थल में मोमबत्तियां जलाती दिखीं, जो उनके आध्यात्मिक जुड़ाव को दर्शाती थी। एक और तस्वीर में स्वादिष्ट डेसर्ट जैसे कुकीज, आइसक्रीम और पेस्ट्रीज की झलक भी देखने को मिली, जिससे पता चलता है कि वे साथ में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेने से भी नहीं चूकतीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनन्या पांडे ने साल 2019 में फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह पति, पत्नी और वो, गहराइयां, ड्रीम गर्ल 2 और हाल ही में खो गए हम कहां जैसी विभिन्न फिल्मों में नजर आई हैं।

जैकी के 'सिचुएशनशिप' वाले बयान पर रकुल ने तोड़ी चुप्पी, एक्ट्रेस ने बताई पूरी सच्चाई; कहा- 'पर्सनल हो गई'

रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म पति पत्नी और वो दो के प्रमोशन में बिजी हैं। इसी बीच उनकी शादी और रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू में रकुल के पति जैकी ने अपनी शादी को 'सिचुएशनशिप' कहा था। अब इस मामले पर रकुल ने खुलकर चर्चा की है।

बात थोड़ी ज्यादा बढ़ गई और पर्सनल हो गई

इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में रकुल ने कहा कि वह और जैकी सिर्फ मजाक कर रहे थे, लेकिन सोशल मीडिया पर उस बात को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने बताया कि लोगों ने सिर्फ एक लाइन पकड़ ली और पूरे इंटरव्यू का मतलब बदल गया।

रकुल ने कहा, 'हम दोनों उस वक्त हंस रहे थे। लेकिन बाद में बात थोड़ी ज्यादा बढ़ गई और पर्सनल हो गई। लोग हमारी जिंदगी को नहीं जानते। सिर्फ एक शब्द और एक लाइन को लेकर हेडलाइंस बना दी गईं।'

14 मई को रिलीज होगी तृषा कृष्णन की करुप्पु

मुंबई (ए.)। तमिल सिनेमा की अभिनेत्री तृषा कृष्णन बहुप्रतीक्षित फिल्म करुप्पु का धमाकेदार ट्रेलर जारी किया गया। इस फिल्म में अभिनेता सूर्या मुख्य भूमिका में हैं, जबकि आरजे बालाजी ने न केवल इसका निर्देशन किया है, बल्कि खलनायक के किरदार में भी नज़र आएंगे। फिल्म 14 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। करुप्पु एक एक्शन से भरपूर कोर्टरूम ड्रामा है, जो एक लंबे समय से लंबित और उपेक्षित पड़े मामले पर आधारित है। ट्रेलर में कानूनी लड़ाई, तीव्र संवाद और दमदार एक्शन दृश्यों का मिश्रण देखने को मिलता है, जो दर्शकों को न्याय और प्रतिशोध के गहन विषय से रूबरू कराएगा। फिल्म का निर्देशन आरजे बालाजी ने बड़ी कुशलता से किया है, जिन्होंने कहानी को दिलचस्प बनाने के लिए हर पहलू पर ध्यान दिया है। ट्रेलर करुप्पु में सूर्या को दो भिन्न और प्रभावशाली अवतारों में प्रस्तुत करता है।

एक तरफ वह अदालत के भीतर अपनी बात को मजबूती से रखते हुए वकील की भूमिका में दिखते हैं, तो दूसरी तरफ वह सड़कों पर न्याय के लिए संघर्ष करते हुए नजर आते हैं। वह एक ऐसे मामले को अपने हाथों में लेते हैं जिसे वर्षों से अनदेखा किया जा रहा था। उनका किरदार कानूनी पेचीदगियों से जूझने के साथ-साथ शारीरिक टकरावों में भी शामिल होता है, जो फिल्म की गहनता और रोमांच को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि न्याय की लड़ाई सिर्फ कोर्टरूम तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके बाहर भी एक अलग तरह का संघर्ष जारी है। फिल्म की कहानी एक गंभीर पृष्ठभूमि के साथ शुरू होती है, जहाँ एक वृद्ध व्यक्ति और उसकी पोती न्याय की उम्मीद में बार-बार अदालत के चक्कर लगाते हैं, लेकिन उनके मामले को कभी गंभीरता से नहीं लिया जाता।

तृषा कृष्णन भी एक वकील की सशक्त भूमिका में हैं, जो उनकी मदद करने की कोशिश करती हैं। हालांकि, उन्हें डिफेंस काउंसिल यानी आरजे बालाजी से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है, जो अपने किरदार में पूरी तरह से खलनायक के रंग में रंगे हुए दिखते हैं। उनका टकराव फिल्म के ड्रामा को और बढ़ाता है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, सूर्या का किरदार करुप्पु इसमें प्रवेश करता है। वह इस अनदेखे मामले को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से दृढ़ और आश्वस्त दिखाई देता है। उसका संघर्ष केवल कानूनी प्रणाली तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि वह रास्ते में आने वाले हर अवरोधक से भिड़ने को तैयार रहता है। ट्रेलर में उसके कोर्ट में तीखी बहस और बाहर शारीरिक झड़पों की झलक साफ तौर पर दिखाई गई है।

तस्वीरों में देखिए आलिया भट्ट का कान फिल्म फेस्टिवल

प्रतिष्ठित कान फिल्म फेस्टिवल 12 मई से शुरू हो चुका है और यह 23 मई 2026 तक चलेगा। आलिया भट्ट भी वहां पहुंची हैं। आज बुधवार को वे खूबसूरत अंदाज में भारत पवेलियन के उद्घाटन में पहुंचीं।

आलिया भट्ट कान फिल्म फेस्टिवल में लगातार अपने लुक्स और स्टाइल को लेकर ध्यान आकर्षित कर रही हैं। बीते दिन 79वें कान फिल्म फेस्टिवल के पहले दिन वे मल्टीकलर शेड वाली गाउन में दिखीं। फिर, रेड कार्पेट पर उन्होंने पीच कलर की गाउन में जलवा बिखेरा। आज भारत पावेलियन के उद्घाटन में भी उनका खूबसूरत अंदाज नजर आया।

किस डिजाइनर ने तैयार की आलिया की ड्रेस?

आलिया भट्ट का कान फिल्म फेस्टिवल से सामने आया यह तीसरा लुक है और वे बला की खूबसूरत लग रही हैं। आलिया ने मशहूर भारतीय फैशन डिजाइनर तरुण तहिलियानी की डिजाइन की हुई आइवरी चंदेरी धोती स्कर्ट और कोर्सेट पहना है।

रिया कपूर ने किया स्टाइल

आलिया भट्ट की स्टाइलिस्ट रिया कपूर हैं। इसके अलावा सान्या कपूर ने भी एक्ट्रेस को स्टाइल किया है। आलिया की तस्वीरें रिया कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर की हैं।

आलिया ने अपने लुक को भारतीय संस्कृति का टच दिया है। उन्होंने माथे पर छोटी सी मैचिंग बिंदी ने उनके लुक को निखार दिया है।

आलिया नाक में बाली पहने दिखीं। इसके अलावा मैचिंग हाथफूल भी पहने नजर आईं, जिन पर किसी की भी नजरें ठहर जाएं।

आलिया भट्ट इस खूबसूरत लुक के साथ एक विंटेज-स्टाइल छतरी थामे दिखीं। उनके इस लुक में पुराने जमाने का आकर्षण साफ दिखा।

आलिया के कान फिल्म फेस्टिवल के इस लुक की तुलना नेटिजंस आलिया की ही फिल्म 'कलंक' के किरदार रूप चौधरी से कर रहे हैं। लोग लिख रहे हैं, 'रूप चौधरी ने कान में भारत का प्रतिनिधित्व किया'

आलिया भट्ट ने भी अपनी इंस्टा स्टोरी पर यह लुक शेयर करते हुए 'कलंक' फिल्म के गाने 'मैं तेरा, मैं तेरा' को लगाया है। उन्होंने यूं तो आज की तारीख यानी 13 मई लिखी है। मगर, इसे 'मैं तेरा' गाने से रिलेट किया जा रहा है।

आलिया के डिंपल और प्यारी सी मुस्कान ने इस लुक को और भी लाजवाब बना दिया है। आलिया ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'भारत पवेलियन के उद्घाटन के लिए फिल्मी महसूस कर रही हूं'

आलिया भट्ट ने पिछले साल इस प्रतिष्ठित फेस्टिवल में अपना डेब्यू किया था।

आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो भी शेयर किया है। इसमें वे इस खूबसूरत लुक में इठलाती नजर आ रही हैं। डांस करते हुए वे अपनी पायल फ्लॉन्ट कर रही हैं।

ईशान ने द रॉयल्स के एक साल पूरे होने पर किया यादों को ताजा

मुंबई (ए.)। बीते साल ओटीटी सीरीज द रॉयल्स ने रिलीज होते ही युवाओं के बीच जबर्दस्त क्रेज बनाई थी। इस सीरीज को रिलीज हुए अब एक साल पूरा हो चुका है। अभिनेता ईशान खट्टर ने इस असवसर पर सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट किया। उन्होंने सीरीज से जुड़ी कई अनदेखी तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए शूटिंग के दिनों को याद किया। साथ ही उन्होंने फैंस के प्यार और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद भी कहा।

ईशान खट्टर ने इंस्टाग्राम पर द रॉयल्स के सेट से जुड़े कई खास पल साझा किए। इन तस्वीरों और वीडियो में कलाकारों की मस्ती, शूटिंग के दौरान की मेहनत और पूरी टीम के बीच की शानदार दोस्ती साफ नजर आ रही है। इसके अलावा, इनमें शूटिंग के दौरान की तैयारियां, मुश्किल सीन्स और टीम के साथ बिताए गए इमोशनल पल भी इन झलकियों में

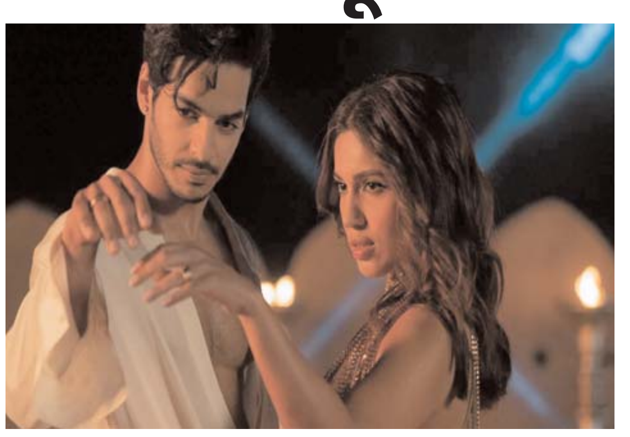

शामिल हैं। पोस्ट के साथ ईशान ने कैप्शन में लिखा, द रॉयल्स को आज एक साल पूरा हो गया है और अब भी मुझे दर्शकों के ढेर सारे मैसेज और प्यार भरे नोट मिल रहे हैं। फैंस का यह प्यार मेरे लिए बहुत खास है और यही मुझे आगे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। आने वाले समय में दर्शकों को और भी रोमांचक चीजें देखने को मिल सकती हैं।

द रॉयल्स साल 2025 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इस सीरीज में ईशान खट्टर के साथ भूमि पेडनेकर, जीनत अमान, साक्षी तंवर, नोरा फतेही, विहान समत, डिनो मोरिया और मिलिंद सोमन जैसे कलाकार नजर आए थे। सीरीज की कहानी एक ऐसे शाही परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पैसों की तंगी से जूझ रहा है। परिवार की किस्मत तब बदलती है, जब राजघराने का वारिस एक होटल कारोबारी के साथ मिलकर अपने पुराने महल को आलीशान रिसॉर्ट में बदलने की प्लानिंग करता है।

गुजरात ने हैदराबाद को हराकर पहले स्थान पर किया कब्जा, प्लेऑफ का टिकट लगभग कंफर्म

नईदिल्ली, (आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 56वें मैच में गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रनों से हराकर अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज कर ली. अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 168 रन बनाने के बाद गुजरात ने हैदराबाद को 14.5 ओवर में केवल 86 रनों पर ही समेट दिया।

इस शानदार जीत के साथ गुजरात टाइटंस 12 मैच में 8 जीत के साथ अंक तालिका में सबसे ऊपर पहुंच गया. उसके कुल अंक 16 हो गए हैं, जिसकी वजह से उनका प्लेऑफ में पहुंचना लगभग कंफर्म हो गया है।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात टाइटंस ने साईसुदर्श के 44 गेंद में 61 और वाशिंगटन सुंदर के 33 गेंद में 50 रनों की बदौलत 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाने में सफल रहा. हैदराबाद की तरफ से प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन ने 2-2 विकेट लिए, जबकि कप्तान कमिंस को एक विकेट मिला।

वहीं दूसरी और 168 रनों के जवाब में हैदराबाद के बल्लेबाज गुजरात के गेंदबाजों के सामने सुपर फ्लॉप रहे और 86 के स्कोर पर ही ढेर हो गए. कमिंस सबसे ज्यादा 19 रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. गुजरात की तरफ से कगिसो रबाड़ा और जैसन होल्डर सबसे सफल गेंदबाज रहे. रबाड़ा ने 4 ओवर में 28 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि होल्डर 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट हासिल किए. इसके अलावा प्रसिद्ध ने दो विकेट झटके, जबिक सिराज और राशिद खान को एक-एक विकेट मिला।

कगीसो रबाड़ा को शानदार गेंदबाजी की वजह से प्लेयर ऑफ दि मैच के अवॉर्ड दिया गया. उन्होंने अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और सिमरन रविचंद्रन का विकेट हासिल करके हैदराबाद के बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी थी. यह दूसरी बार है जब गुजरात टाइटंस के सीमर्स ने आईपीएल की एक पारी में 9 विकेट लिए हैं; इससे पहले 2023 में हैदराबाद में इसी टीम के खिलाफ उन्होंने 9 विकेट लिए थे।

आईपीएल 2026: साई सुदर्शन ने लगातार तीसरा अर्धशतक लगाकर पूरे किए 500 रन, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली, (आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 56वें मैच में गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अर्धशतकीय पारी (61) खेली। यह उनका मौजूदा सीजन में लगातार तीसरा अर्धशतक रहा। अपनी इस अर्धशतकीय पारी के दौरान उन्होंने आईपीएल 2026 में 500 रन भी पूरे किए। वह इस सीजन में 500 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने। आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं। शुभमन गिल (5) और जोस बटलर (7) के जल्दी आउट होने के बाद सुदर्शन ने संभलकर बल्लेबाजी की। अपनी शुरुआती 15 गेंदों में 13 रन बनाने वाले सुदर्शन ने क्रीज पर टिकने के बाद रन गति में इजाफा किया। सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजों के खिलाफ उन्होंने 38 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इस बीच उन्होंने वाशिंगटन सुंदर के साथ 60 रन की साझेदारी निभाई। वह 44 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की बदौलत 61 रन बनाकर आउट हुए। सुदर्शन ने आईपीएल 2026 में 12 पारियों में 41.75 की औसत और 155.10 की स्ट्राइक रेट के साथ 501 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने एक शतक और 5 अर्धशतक लगाए। गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजों में उनके बाद गिल ने 467 रन बनाए हैं। सुदर्शन ने पहला आईपीएल मुकाबला 2022 में खेला था। अब तक इस खिलाड़ी ने 52 मैच खेले हैं और इसकी 52 पारियों में लगभग 48 की औसत से 2,250 से अधिक रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 17 अर्धशतक के अलावा 3 शतक भी निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 108* रन रहा है।

सीएसके टीम के साथ लखनऊ जाएंगे धोनी, टिकट हुआ बुक : कासी विश्वनाथन

सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में उतरने की संभावना

मुम्बई (ए.)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने अब तक इस सत्र में एक भी मैच नहीं खेला है पर वह शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ होने वाले मैच में खेल सकते हैं। इसका अंदाजा घोनी के टीम के साथ उड़ान भरने को लेकर लगाया जा रहा है। ऐसे में अगर वह खेलते हैं तो इस सत्र में उन्हें खेलते हुए देखने का प्रशंसकों का सपना पूरा हो सकता है। धोनी फिट न होने के कारण शुरुआत से ही बाहर हैं। धोनी अपनी शानदार फिनिशिंग और विकेटकीपिंग के लिए जाने जाते हैं, पिंडली की चोट के कारण वह पूरे सीजन से बाहर रहे हैं। उनके बाहर होने से सीएसके के प्रशंसकों को निराश हुई है। प्रशंसक उन्हें एक बार फिर खेलते हुए देखना चाहते हैं। फैंस की चाहत है कि अगर वो मैदान पर नहीं उतर सकते तो कम से कम टीम के किसी मैच में मौजूद रहें।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ कासी विश्वनाथन ने भी कहा है कि धोनी का लखनऊ के लिए टिकट बुक है। टीम शुक्रवार रात को एलएसजी से खेलने वाली है और इसमें धोनी की मौजूदगी से टीम का मनोबल बढ़ेगा। सीएसके इस समय प्लेऑफ की दौड़ में है और अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनाने का प्रयास कर रही है। साल की खराब शुरुआत के बाद टीम ने लगातार तीन जीत दर्ज की हैं, जिससे उनकी स्थिति मजबूत हुई है। ऐसे में धोनी के साथ होने से टीम को मनोबल बढ़ेगा। यदि धोनी मैदान पर उतरते हैं, तो उनकी बल्लेबाजी सीएसके के निचले क्रम को मजबूती देगी और इसके साथ ही कप्तानी को भी अच्छा मार्गदर्शन मिलेगा।

ढाका टेस्ट: नाहिद राणा ने पाकिस्तान के खिलाफ पहली बार चटकाया 5 विकेट हॉल, जानिए आंकड़े

नईदिल्ली, (आरएनएस)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ शेर-ए बांग्ला स्टेडियम में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट में शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट अपने नाम किए। यह उनके टेस्ट करियर का दूसरा और पाकिस्तान टीम के खिलाफ पहला ही 5 विकेट हॉल रहा। उनकी गेंदबाजी की बदौलत ही बांग्लादेश की टीम मैच में 104 रनों के बड़े अंतर से जीत दर्ज करने में सफल रही। आइए उनकी गेंदबाजी और आंकड़े जानते हैं।

राणा ने दूसरी पारी में 268 रन का लक्ष्य लेकर उतरी पाकिस्तान टीम को 68 रन के स्कोर पर शान मसूद (2) के रूप में तीसरा झटका देते हुए पारी में अपने विकेटों का खाता खोला। इसके बाद उन्होंने प्रभावी गेंदबाजी करते हुए सऊद शकील (15), मोहम्मद रिजवान (15), नोमान अली (4) और शाहीन अफरीदी (0) को भी अपना शिकार बनाया। राणा ने पारी में 9.5 ओवर में 2 मेडन के साथ 40 रन खर्च कर ये सफलताएं अर्जित की।

राणा ने पाकिस्तान के खिलाफ अब तक 3 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसकी 6 पारियों में 31.75 की औसत और 4.65 की इकॉनमी से 12 विकेट चटकाने में सफल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने एक बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किया है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन इसी मैच में आया है।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 104 रनों से दी शर्मनाक शिकस्त

नईदिल्ली, (आरएनएस)। बांग्लादेश ने ढाका में खेले गए पहले टेस्ट मैच के पांचवें दिन पाकिस्तान को 163 रनों पर ऑल आउट करके 104 रनों से मात दे दी. ये बांग्लादेश की अपनी जमीन पर पाकिस्तान के खिलाफ पहली जीत है।

268 रनों के जवाब में पाकिस्तान की दूसरी पारी 163 रनों पर ही सिमट गई. जिसमें अब्दुल्लाह फजल ने सबसे ज्यादा 66 रन बनाए. इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज बांग्लादेशी गेंदबाजों के सामने ज्यादा देर तक नहीं टिक सका. नहीद राणा ने दूसरी पारी में 5 विकेट लिए जबकि तैजुल इस्लाम और तस्कीन अहमद को 2-2 विकेट मिले. मेहदी हसन मिराज एक विकेट लेने में सफल रहे।

बता दें कि बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में मोमिनुल हक के 91, कप्तान नजमुल हसन शांतो के 101 और मुशफिकुर रहीम के 71 रनों की बदौलत 413 रन बनाए थे. वहीं पाकिस्तान की तरफ से मोहम्मद अब्बास ने सबसे ज्यादा 5 विकेट झटके थे।

वहीं पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में अजान ओवैस के 130, अब्दुल्ला फजल के 60, सलमान आगा के 58 और मोहम्मद रिजवान के 59 रनों की बदौलत 386 रन बना सकी थी. जिसकी वजह से बांग्लादेश को 27 रनों की बढ़त भी मिल गई. बांग्लादेश की तरफ से मेहदी हसन पांच विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे।

इसके बाद बांग्लादेश ने अपनी दूसरी पारी में नजमुल हसन के 87 और मोमिनुल हक के 56 रनों की बदौलत 9 विकेट पर 240 के स्कोर पर घोषित कर दी, जिससे पाकिस्तान को 268 रनों का टारगेट मिला, लेकिन मेहमान टीम 163 रनों पर ही ढेर हो गई. जिससे बांग्लादेश को 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त मिल गई।

13 साल बाद धर्मशाला में पंजाब किंग्स के ख़िलाफ़ मैदान पर उतरेगी मुंबई

प्रीति जिंटा को उम्मीद किंग्स पंजाब जीतेगी अगले मैच

धर्मशाला (आरएनएस)। आईपीएल के शुरुआती दौर पर शीर्ष पर रहने वाली किंग्स पंजाब की मुश्किलें बढ़ती नज़र आ रही हैं। लगातार चार मैचों की हार की चिंता किंग्स पंजाब को अब सताने लगी है। वीरवार को मुंबई के साथ होने वाले मैच में किंग्स पंजाब के सामने करो या मरो की स्थिति होगी। पॉवरप्ले पर बने रहने के लिए पंजाब को अपने होम ग्राउंड धर्मशाला में होने वाले दोनों मैच जीतने होंगे, वरना किंग्स पंजाब पहले चार स्थानों से बाहर हो जाएगी। एचपीसीए से मोहित सूद ने बताया की वीरवार को होने वाले मैच को लेकर आज मुंबई इंडियन की दोनों टीमों ने देर शाम 6 से 9 बजे तक अभ्यास सत्र में भाग लिया।

आपको बता दें कि 13 साल पहले इसी माह 18 मई को मुंबई की टीम पंजाब के ख़िलाफ़ इस मैदान पर उतरी थी लेकिन तब उसे हार का सामना करना पड़ा था। मुंबई की और से रायन रिकेलटन, तिलक वर्मा, बुमराह व ट्रेंट बोल्ट पर टीम की नज़र रहेगी। वहीं प्रीति जिंटा को उम्मीद है की उनकी टीम मुंबई के ख़िलाफ़ जीत दर्ज कर वापसी करेगी।

पिछले कई मैचों से डगआउट पर बैठे रोहित शर्मा के धर्मशाला में खेलने को लेकर फैन्स में खासा उत्साह है। पहले भी मुंबई की टीम धर्मशाला ग्राउंड पर खेल चुकी है व पिच की भौगोलिक परिस्थितियों से वाकिफ हैं। घातक बैटिंग धर्मशाला में देखने की मिल सकती है वे पिछले कुछ मैचों से बेहतर परफॉर्म में हैं।

मुंबई का धर्मशाला क्रिकेट ग्राउंड पर रिकॉर्ड

का सामना मुख्य रूप से पंजाब किंग्स से हुआ है। जिसने हुए कुल 3 मैचों पर मुंबई को एक मैच में जीत मिली है जबकि दो मैच पर किंग्स पंजाब जीते हैं। इसके अलावा मुंबई की ओर से जसप्रीत बुमराह ने सर्वश्रेष्ठ एक मैच पर 3 विकेट अपने नाम किए हैं।

विदेश समाचार

ईटीजीई की ट्रंप से अपील, जिनपिंग के सामने उठाएं ईस्ट तुर्किस्तान और तिब्बत का मुद्दा

वाशिंगटन(ए.)। ईस्ट तुर्किस्तान गवर्नमेंट-इन-एक्साइल (ईटीजीई) और ईस्ट तुर्किस्तान नेशनल मूवमेंट (ईटीएनएम) ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अपील की है कि वे बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ होने वाली बैठक के दौरान चीन ईस्ट तुर्किस्तान और तिब्बत में किए जा रहे कथित नरसंहार और औपनिवेशिक कब्जे का मुद्दा उठाएं। राष्ट्रपति ट्रंप बुधवार को दो दिवसीय उच्चस्तरीय शिखर वार्ता के लिए चीन की राजकीय यात्रा पर रवाना हुए। लगभग एक दशक में किसी मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति की यह पहली चीन यात्रा मानी जा रही है। ट्रंप से की गई अपील में ईटीजीई ने आरोप लगाया कि चीनी कब्जे वाले ईस्ट तुर्किस्तान (जिसे चीन का शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र भी कहा जाता है) में उइगर, कजाख, किर्गिज और अन्य तुर्किक समुदायों के खिलाफ चल रहे कथित नरसंहार का आदेश दिया था। निर्वासित संगठन का दावा है कि इस अभियान को अब 13 साल होने वाले हैं।निर्वासित संगठनों ने अमेरिकी राष्ट्रपति से यह भी आग्रह किया कि शिखर सम्मेलन के दौरान ऐसा कोई समझौता न किया जाए जो ईस्ट तुर्किस्तानी और तिब्बती लोगों के नरसंहार और दासता को बढ़ावा दे।

बांग्लादेश ने दी कड़ी प्रतिक्रिया, कहा- कटीले तारों से नहीं डरता ढाका

सीमा पर बाड़ लगाने के फैसले से गरमाया माहौल

ढाका,(ए.)। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार ने सीमा सुरक्षा को लेकर अपने तेवर कड़े कर लिए हैं। मंत्रिमंडल की पहली ही बैठक में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भूमि हस्तांतरित करने की प्रक्रिया को मंजूरी दे दी गई है। बंगाल सरकार के इस बड़े फैसले के बाद पड़ोसी देश बांग्लादेश की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। बांग्लादेश सरकार ने स्पष्ट लहजे में कहा है कि वह कटीले तारों या बाड़बंदी से नहीं डरता, लेकिन सीमा पर होने वाली मौतों को लेकर वह चुप नहीं बैठेगा।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने ढाका में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि चुनावी बयानबाजी और

शासन दो अलग बातें हैं। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि यदि सीमा पर नागरिकों की हत्याएं जारी रहीं, तो हालात पहले जैसे नहीं रहेंगे। बांग्लादेश का मानना है कि यदि भारत दोस्ती बढ़ाना चाहता है, तो उसे सीमा सुरक्षा के मामलों में अधिक मानवीय और नरम रवैया अपनाना चाहिए। कबीर ने यह भी साफ किया कि उनका प्राथमिक रिश्ता भारत की केंद्र सरकार के साथ है और वे पश्चिम बंगाल की आंतरिक राजनीति में दखल नहीं देना चाहते, लेकिन वे इस बात पर पैनी नजर रखेंगे कि क्या नई सरकार अपनी राजनीतिक बयानबाजी को राज्य की नीति में बदलती है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के बीच करीब 2,216 किलोमीटर लंबी सीमा है, जिसमें से लगभग 569 किलोमीटर का हिस्सा अब भी बिना बाड़ के है। लंबे समय से यह मुद्दा राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय रहा है।हाल ही में कलकत्ता हाई कोर्ट ने भी राज्य सरकार को सीमावर्ती जिलों में जमीन का इंतजाम करने का आदेश दिया था। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया को अगले 45 दिनों के भीतर पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री के अनुसार, बाड़ लगाने के लिए आवश्यक करीब 90 प्रतिशत भूमि पहले ही अधिग्रहित की जा चुकी है, जिसे अब जल्द ही बीएसएफ को सौंप दिया जाएगा।

ईरान को पूरी तरह बर्बाद करके मानेगा अमेरिका? चीन रवाना होने से पहले ट्रंप का बड़ा बयान

वॉशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। चीन रवाना होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत लगभग खत्म हो चुकी है और अमेरिका यह लड़ाई शांतिपूर्वक या फिर किसी भी तरह जीतकर रहेगा। ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या वह ईरान मामले में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की किसी भूमिका की उम्मीद करते हैं, तो उन्होंने कहा, नहीं, मुझे नहीं लगता कि हमें ईरान के मामले में किसी की मदद की जरूरत है। हम किसी न किसी तरीके से जीतेंगे।

ट्रंप ने अपने बयान में आगे कहा, हम इसे शांतिपूर्वक भी जीत सकते हैं या फिर किसी और तरीके से। उनकी नेवी खत्म हो चुकी है, एयरफोर्स खत्म हो चुकी है और उनकी वार मशीन का हर हिस्सा तबाह हो चुका है। उन्होंने आगे कहा कि ईरान सैन्य रूप से हार चुका है। ट्रंप के मुताबिक, वे या तो सही फैसला करेंगे या फिर हम काम पूरा कर देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान पर लगाए गए समुद्री प्रतिबंध और नाकेबंदी को भी पूरी तरह सफल बताया। उन्होंने कहा, यह नाकेबंदी बेहद प्रभावी है। यह 100 प्रतिशत सफल रही है।

वहीं, नाटो पर नाराजगी जाहिर करते हुए ट्रंप ने कहा कि उसने मुश्किल समय में अमेरिका का साथ नहीं दिया। ट्रंप ने कहा, नाटो मेरे लिए बेहद निराशाजनक रहा। जब हमें उनकी जरूरत थी तब वे हमारे साथ नहीं थे। हमें नाटो की जरूरत नहीं है, लेकिन अगर जरूरत पड़ती भी, तो वे वहां मौजूद नहीं थे। वहीं, मार्क रुट ने नाटो के भविष्य को लेकर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में ईरान से जुड़ा संकट वैश्विक सुरक्षा के केंद्र में है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि नाटो के भविष्य और उसकी मजबूती को लेकर वह बेहद आशावादी हैं।

पहले टारगेट को निशाना बनाने घंटों लगते थे, अब ऐसे फैसले सेकंड में होते हैं

-पेंटागन ने 'प्रॉजेक्ट मेवन' 2017 में शुरू किया था, जब टेक्नॉलजी में चीने से पिछड़ा

वॉशिंगटन,(ए)। पेंटागन की चाहत आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) को सैन्य अभियानों से जोड़ने की थी। किताब में कैटरीना ने मरीन कर्नल ड्रयू कुकोर के इसे लेकर ऑब्सेशन पर फोकस किया है। पेंटागन ने 'प्रॉजेक्ट मेवन' 2017 में तब शुरू किया था, जब उसे लगा कि वह एआई टेक्नॉलजी में चीन से पिछड़ रहा है। इस प्रॉजेक्ट में ड्रोन फुटेज का विश्लेषण एल्गोरिदम के

जरिये किया जाता था। एक पत्रकार जिन्होंने इस प्रॉजेक्ट से वाकिफ करीब 200 लोगों से बातचीत कर कई ऐसी जानकारियां दी हैं, जिनसे दुनिया अनजान है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किताब की शुरुआत पेंटागन के मध्यम रोशनी वाले एक कमरे से होती है, जिसमें कर्नल ड्रयू बैठे हैं और वह अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की बढ़ती मौत की घटनाओं से हताश हैं। वहां वह एआई के सैन्य अभियानों में इस्तेमाल के लिए एक टीम बनाते हैं। कर्नल कल्पना करते हैं कि यह टीम उन्हें रियल टाइम डेटा देगी ताकि फौज को बढ़त हासिल हो सके। उनकी इस कल्पना से प्रॉजेक्ट मेवन का जन्म होता है। इसके लिए शुरुआत में पेंटागन, गूगल से उसकी कंप्यूटर विजन टेक्नॉलजी के लिए पार्टनरशिप करता है ताकि बड़े पैमाने पर ड्रोन्स से मिल रहे डेटा को स्कैन किया जा सके। हालांकि, कर्मचारियों के विरोध की वजह से गूगल के इस प्रॉजेक्ट से बाहर होने के बाद उसकी जगह पलानटिर, एमेजॉन, माइक्रोसॉफ्ट और एंथ्रोपिक जैसी कंपनियां लेती हैं।

दुनिया के सबसे लोकप्रिय लीडर हैं नरेंद्र मोदी, विदेशी नेता ने प्रधानमंत्री की शान में पढ़े कसीदे

ओस्लो(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 18 से 19 मई के बीच नॉर्वे दौरे से पहले उनकी अंतरराष्ट्रीय छवि और नीतियों की जमकर तारीफ की गई है। नॉर्वे के पूर्व मंत्री और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यानी कि यूएनईपी के पूर्व प्रमुख एरिक सोलहाइम ने प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता बताया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने यह बयान नॉर्वे के प्रमुख अखबार डैगेन्स नेरिंग्सलिव में प्रकाशित एक लेख में दिया। सोलहाइम ने लिखा कि पश्चिमी देशों के नेताओं को प्रधानमंत्री मोदी के लगातार हरित (ग्रीन) संदेश से बहुत कुछ सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोदी की लोकप्रियता और नेतृत्व शैली उन्हें एक परिवर्तनकारी नेता बनाती है।

सोलहाइम ने लिखा कि किसी भी बड़े देश में इतना लोकप्रिय नेता नहीं है जितना भारत में प्रधानमंत्री मोदी हैं। उनके अनुसार मोदी की लोकप्रियता करीब 70 प्रतिशत तक है और वे दुनिया के सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक नेताओं में शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था मोदी के नेतृत्व में तेजी से बढ़ रही है और यह लगभग 7 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रही है, जो कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से अधिक है। उन्होंने कहा कि मोदी का जन्म गुजरात के वडनगर में एक साधारण परिवार में हुआ था और उन्होंने अपने प्रयासों से देश के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता बनने तक का सफर तय किया। सोलहाइम ने प्रधानमंत्री मोदी को हरित विकास का संरक्षक बताया। उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है। उन्होंने भारत में आधुनिक हवाई अड्डों, बेहतर सड़कों और बड़े पैमाने पर सौर और जल विद्युत परियोजनाओं का उल्लेख किया।

कैद में पाकिस्तान के पूर्व पीएम, बहनों को भाई इमरान खान से मिलने की फिर नहीं मिली इजाजत

इस्लामाबाद, (आरएनएस)। पाकिस्तान की अदियाला जेल में बंद पूर्व वजीर-ए आजम (प्रधानमंत्री) और पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ के संस्थापक इमरान खान की बहनों को एक बार फिर पुलिस ने मिलने नहीं दिया। उनके साथ खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी भी थे। यह जानकारी बुधवार को स्थानीय मीडिया ने दी।

रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए, इमरान खान की बहन अलीमा खान ने कहा कि इमरान खान से मिलने से मना करना कोर्ट की अवमानना है। नियमों के हवाले से उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने हर मंगलवार और गुरुवार को फैमिली मीटिंग के साफ ऑर्डर दिए हैं; इसके बावजूद उन्हें भाई इमरान से मिलने नहीं दिया गया। अलीमा

खान ने कहा, इमरान खान सिर्फ हमारे भाई ही नहीं, बल्कि पीटीआई नेता भी हैं, इसलिए हमने कहा कि हमें आप सबकी (प्रेस) जरूरत है। यहां आएं और दबाव बनाएं ताकि इमरान खान को अस्पताल में सही इलाज मिल सके...इमरान खान ने 128 दिनों तक धरना दिया था। उन्होंने दिन-रात सड़कों पर बिताए। सभी को थोड़ी हिम्मत दिखानी होगी। यह मुश्किल समय है, और हम जो कर सकते हैं, कर रहे हैं।

पीटीआई लगातार इमरान खान की पुलिस हिरासत में सही मेडिकल केयर न करने का आरोप लगाती रही है। हाल ही में उन्होंने 1,000 दिन पूरे होने के बावजूद हिरासत में रखने को राजनीतिक उत्पीड़न का कृत्य बताया था। दल के अनुसार पूर्व पीएम के संवैधानिक और न्यायिक अधिकारों की साफतौर पर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।सूत्रों ने पीटीआई के केंद्रीय सूचना सचिव वकास अकरम के हवाले से कहा कि पीटीआई संस्थापक इमरान खान को राजनीतिक प्रताड़ना का शिकार होना पड़ रहा है, क्योंकि मौजूदा सरकार उनकी लोकप्रियता और स्वतंत्र नजरिए से डरती है। यही वजह है कि उन्हें साइडलाइन करने की कोशिश की जा रही है।अकरम ने कहा कि इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के साथ बुरा बर्ताव किया जा रहा है। पीटीआई संस्थापक को अकेले कैद में रखा जा रहा है, जबकि उनके परिवार, वकीलों और पार्टी लीडरशिप को उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है, जो बुनियादी इंसानी और कानूनी अधिकारों का साफ उल्लंघन है।

73 साल के खान अगस्त 2023 से जेल में हैं, जिसे पीटीआई राजनीति से प्रेरित कदम बताती रही है। 2022 में नो-कॉन्फिडेंस वोट के जरिए ऑफिस से हटाए जाने के बाद से, इमरान खान पर कई केस चल रहे हैं। इनमें सरकारी उपहार हासिल करने और गैर-कानूनी शादी के आरोप भी शामिल हैं।

ग्रामीण किसानों ने ठाना है पेट्रोल बचाना है बाजार साइकिल से जाना है

किसानों का बड़ा संकल्प पेट्रोल बचाना है साइकिल चलाना है

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के चंदेरी गांव के किसानों ने पेट्रोल और डीजल बचाने का संकल्प लिया है। किसानों का कहना है कि वर्तमान समय में ईरान, इराक और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव और युद्ध जैसी परिस्थितियों को देखते हुए देश में ईंधन बचाना बहुत जरूरी हो गया है। इसी उद्देश्य से गांव के किसानों ने निर्णय लिया है कि अब वे बाजार, खेत और अन्य स्थानों पर मोटरसाइकिल की बजाय साइकिल का उपयोग अधिक करेंगे।

ग्रामीण किसानों के साथ समाजसेवी किसान एम.एस. मेवाड़ा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी भी पेट्रोल-डीजल बचाने का संदेश दे रहे हैं। उसी संदेश का पालन करते हुए हम किसानों ने यह पहल शुरू की है। हमारा मानना है कि यदि हर नागरिक थोड़ी-थोड़ी बचत करे तो देश बड़े संकट से बच सकता है।किसानों ने यह भी कहा कि केवल आम जनता ही नहीं, बल्कि राजनेताओं और अधिकारियों को भी पेट्रोल-डीजल की बचत पर ध्यान देना चाहिए। राजनीतिक रैलियों में सैकड़ों गाड़ियों का उपयोग होता है, जिससे भारी मात्रा में ईंधन खर्च होता है। किसानों ने मांग की कि वाहन रैलियों पर रोक लगाई जाए और जहां संभव हो वहां कम से कम वाहनों का उपयोग किया जाए।किसानों का कहना है कि आज जरूरत है कि हम सब मिलकर साइकिल अपनाएं, पेट्रोल-डीजल बचाएं और देशहित में प्रधानमंत्री मोदी जी के संदेश का पालन करें। यही हमारी साइकिल रैली का उद्देश्य और संदेश है।

बसपा नेता एड. कमलेश कुमार को पार्टी ने दी बड़ी जिम्मेदारी जोन प्रभारी भोपाल नियुक्त

सीहोर (निप्र)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कुमारी मायावती जी पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश को चार भागों में बांटा गया है एवं संगठन का विस्तार लोकसभा के अनुसार किया गया मध्य प्रदेश में 4 जोन बनाए गए उसमें ग्वालियर जोन रीवा जॉन भोपाल जोन एवं इंदौर जोन और पार्टी के जिम्मेदार पदाधिकारी को इसकी जिम्मेदारी सौंप गई भोपाल जोन में एडवोकेट कमलेश कुमार को जॉन प्रभारी बनाया गया है भोपाल जोन में 7 लोकसभा 19 जिले एवं 55 विधानसभाएं हैं पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी के निर्देश अनुसार पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए यह बदलाव किया है कमलेश कुमार सीहोर जिले का ऐसा नाम है जिसने सीहोर की धरती पर जब बहुजन समाज पार्टी की चेतना की लौ मंद पड़ती दिखाई दे रही थी, तब आवाज़ नहीं उठाई, बल्कि सोई हुई कौम की ये आत्मविश्वास को पुन: जागृत करने का संकल्प लिया।

जिन्होंने महापुरुषों के सम्मान को अपना स्वाभिमान माना, अन्याय और अपमान के विरुद्ध हर मोर्चे पर निर्भीक होकर संघर्ष किया, और निजी सुख-सुविधाओं तथा प्रतिष्ठित वन विभाग की नौकरी तक का त्याग कर बहुजन समाज पार्टी को सीहोर जिले में नई ऊर्जा, नई दिशा और नया जीवन देने का ऐतिहासिक कार्य किया।

अतिक्रमण के नाम पर बुलडोजर लेकर संविधान निर्माता बाबा साहेब के झंडे निकालने हिंगानी पहुंचा प्रशासन

सीहोर (निप्र)। बाबा साहेब के झंडे निकालने प्रशासन बुल्डोजर लेकर पहुंच गया। ग्रामीण दलित परिवार ने विरोध किया तो पुलिस ने महिलाओं और बच्चों के साथ मारपीट शुरू कर दी। घटनाक्रम श्यामपुर तहसील के हिंगोनी गांव में घटित हुआ। बाबा साहेब के फोटो झंडे हटाने और अपमान से दुखी परिवार ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में शिकायती पत्र दिया।कलेक्ट्रेट पहुंचे अनुसूचित जाति वर्ग के घुड़ीलाल ने बताया कि बर्री ग्राम पंचायत ने घर बनाने के लिए भूमि का पटटा दिया है इस भूमि पर घर बना रहा था। कालम लगाए जा रहे थे निर्विरोध मकान का निर्माण जारी था बीते दिनों नाबालिक पोते कृष्णा ने निर्माणाधीन कालमों पर संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के फोटो वाले नीले झंडे लगा दिए। झंडे लगाने के विरोध में कुछ ग्रामीणों ने श्यामपुर थाना और तहसील कार्यालय में शिकायत दर्ज करा दी। साथ ही शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने के आरोप भी लगा दिए। श्यामुपर तहसीलदार ने 2000 रूपये का अर्थदंड लगाया और झंडों और कालम को अतिक्रमण बताकर हटाने का आदेश दिया। पीड़ित घुड़ीलाल ने बताया कि झंडे और अतिकमण हटाने सहित पैसे की व्यवस्था करने के लिए समय मांगा लेकिन प्रशासन ने समय नहीं दिया। मंगलवार को पुलिस बल और बुलडोजर के साथ ग्राम हिंगोनी पहुंचे तहसीलदार और थाना प्रभारी पटवारी ने सबसे पहले संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के फोटो वाले नीले झंडे को उखाड़ कर फेक दिया। बाबा साहेब के झंडे निकालने फाडने कालम तोड़ का सोरमबाई, अंगूरीबाई, सौदान और नाबालिक कृष्णा ने विरोध किया तो पुलिस ने मारपीट करनी शुरू कर दी। पीड़ित परिवार ने कलेक्टर से न्याय दिलाने और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाही करने की मांग की है।

वरिष्ठजनों के लिये उम्मीदों की किरण बना भरण-पोषण अधिनियम

सीहोर (निप्र)। वरिष्ठजनों के लिये भरण-पोषण अधिनियम-2007 सहायक बन कर सामने आया है। जिस प्रकार उम्र बढ़ने पर सहारे के लिये लाठी की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार यह अधिनियम वरिष्ठजनों के लिये सहारे की लाठी बन कर उभरा है।

वरिष्ठ अभिभावकों की कठिनाइयाँ दूर करना उद्देश्य अधिनियम का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठजनों और अभिभावकों को समर्थन प्रदान करने वाली व्यवस्था की रचना करना है, जिससे वे एक विशेष ट्रिब्यूनल (अधिकरण) के समक्ष निर्धारित 90 दिन की समय-सीमा के अंदर भरण-पोषण के अधिकार को सुलभता और शीघ्रता से प्राप्त कर सकें।

माता-पिता और नागरिकों के लिये है अधिनियम

माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम-2007 प्रदेश में 23 अगस्त, 2008 से लागू है। इसमें वे अभिभावक और वरिष्ठ नागरिक जो अपनी आय अथवा सम्पत्ति द्वारा होने वाली आय से अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ हैं, अपने वयस्क बच्चों अथवा संबंधियों से भरण-पोषण प्राप्त करने के लिये आवेदन कर सकते हैं। भरण-पोषण में समुचित भोजन, आश्रय, वस्त्र, चिकित्सा एवं मनोरंजन सुविधाएँ शामिल हैं। भरण-पोषण ट्रिब्यूनल, वरिष्ठजनों का मासिक भरण-पोषण अधिकतम 10 हजार रूपये प्रतिमाह दिला सकता है। संतान वरिष्ठ परिजन की उपेक्षा अथवा परित्याग एक संज्ञेय अपराध है। इसके लिये पाँच हजार जुर्माना या तीन महीने की सजा या दोनों हो सकते हैं। अधिनियम में सहायता पाने के लिये वृद्धजन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के समक्ष आवेदन कर सकते हैं।

बिजली मीटर से छेड़छाड़ करने पर धारा 136 में होगी कार्रवाई

सीहोर (निप्र)। विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि यदि बिजली के मीटर में अनावश्यक छेड़छाड़ पाई जाती है तो ऐसा करने वालों के विरूद्ध धारा 136 के तहत कार्रवाई होगी। कंपनी का कहना है कि किसी उपभोक्ता को मीटर, उसकी रीडिंग, बिलिंग या बिजली व्यवधान जैसी कोई शिकायत हो तो वे तुरंत कॉल सेंटर के फोन नंबर 1912 पर या ऑन लाइन वेबसाइट portal.mpcz.in अथवा उपाय यूपीएवाय ऐप या बिजली वितरण केन्द्र, जोन कार्यालय में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निराकरण की पुख्ता व्यवस्था की गई है। उपभोक्ता शरारती तत्वों के बहकावे में आकर मीटर में तोड़फोड़ या उखाड़कर अन्यत्र स्थापित करने या सर्विस लाइन को नुकसान पहुंचाने का कार्य करते हैं तो उनके विरूद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 136 के तहत कार्रवाई होगी। इसमें 3 वर्ष का कारावास अथवा 10 हजार रूपये का जुर्माना अथवा दोनों सजाओं से दण्डित करने का प्रावधान है।

दिव्यांगों को बस किराए में 50 प्रतिशत छूट

सीहोर (निप्र)। राज्य शासन ने प्रदेश की सभी प्रक्रम बस सेवाओं में दिव्यांग व्यक्तियों को 50 प्रतिशत छूट देने के निर्देश दिये हैं। दिव्यांग व्यक्ति को यूडीआईडी कार्ड दिखाने पर यह छूट मिल जायेगी।परिवहन आयुक्त द्वारा सभी क्षेत्रीय, अतिरिक्त क्षेत्रीय एवं जिला परिवहन अधिकारी को निर्देश दिये गये हैं। दिव्यांग व्यक्ति को दिव्यांगजन सक्षम प्राधिकारी के प्रमाण-पत्र के रूप में केन्द्र या राज्य शासन द्वारा जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी. कार्ड प्रस्तुत करने पर किराये में 50 प्रतिशत छूट का लाभ दें।केन्द्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा यूनिक आई.डी. फॉर पर्सन विद डिसेबिलिटी (यूडीआईडी) प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है।

मानव अधिकारों के उल्लंघन की शिकायत अब ऑनलाइन भी

सीहोर (निप्र)। मानव अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित शिकायतों के निराकरण हेतु आयोग में नागरिक अपनी शिकायत ऑनलाइन फ्री पोर्टल www.hrcnet.nic.in पर पत्राचार द्वारा टोल फ्री नम्बर 144334 पर भी कर सकते हैं। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के मदद सेंटर में उपस्थित होकर लिखित शिकायत या मोबाइल नम्बर 9810298900 एवं नागरिक सेवा केंद्र यानि सीएससी में 30 रुपए का शुल्क जमा करके अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज करा सकते हैं।

बुधनी तहसील में जनगणना के प्रथम चरण का कार्य हुआ पूरा, एसडीएम और तहसीलदार से पूरी टीम को दी बधाई

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण का कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधनी तहसील में मकान सूचीकरण का शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। इस सराहनीय उपलब्धि के लिए बुधनी एसडीएम दिनेश सिंह तोमर और तहसीलदार ललित सोनी ने सभी सुपरवाइजर्स, प्रगणक और पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि कम समय में शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति न केवल अन्य सुपरवाइजर्स और प्रगणकों के लिए प्रेरणास्त्रोत है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि यदि जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य किया जाए तो निर्धारित समयसीमा के भीतर उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। जनगणना के प्रथम चरण में बुधनी तहसील अंतर्गत 20,743 मकानों का सर्वेक्षण किया गया, जिसमें 77,107 जनसंख्या का विवरण संकलित किया गया है।

चाचा ने किया मकान पर कब्जा, हटवाने कलेक्टर से लगाई गुहार

सीहोर (निप्र)। कोलीपुरा बड़ियाखेड़ी रेशम केंद्र के सामने 4 दुकानों वाले मकान को लेकर विवाद सामने आया है। राकेश कुमार यादव ने बुधवार को अपनी पांच बहनों के साथ कलेक्ट्रेट कार्यालय में शिकायती आवेदन दिया है। उनका कहना है कि मकान पर उनके चाचा ने कब्जा कर लिया। मकान के बंटवारे का केस कोर्ट में चल रहा है। राकेश यादव के मुताबिक उन्होंने निर्माण का विरोध किया और 25 फरवरी 2020 को कलेक्टर कार्यालय की जनसुनवाई में आवेदन दिया था। जिसके बाद नगर पालिका ने स्टे ऑर्डर दिया था। इसमें लिखा है कि मकान का निर्माण नियम के खिलाफ है। इसके बाद 12 मार्च 2020 को नायब तहसीलदार ने भी निर्माण रोकने के लिए स्टे ऑर्डर जारी किया। राकेश यादव का कहना है कि कोर्ट ने भी 13 फरवरी 2020 को स्टे ऑर्डर दिया था कि निर्माण तुरंत रोका जाए। शिकायत में कहा गया है कि इन आदेशों के बाद भी चाचा ने 4 दुकानों का निर्माण कर लिया। राकेश यादव और उनकी बहनों ने मांग की है कि दुकानें नियम के खिलाफ बनी हैं। कोर्ट का फैसला आने तक इन्हें बंद कराया जाए। आवेदन राकेश यादव, गायत्री यादव, बवीता यादव, डिम्पल यादव, सरिता यादव, पद्मा यादव ने दिया हैं।

महाराणा प्रताप जयंती पर पावर हाउस चौराहे पर स्थापित होगी वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा

वीरता और राष्ट्रभक्ति के साथ किया जा रहा नगर का विकास-नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर

सीहोर (निप्र)। नगर में वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती के अवसर पर पावर हाउस चौराहे पर उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। प्रतिमा स्थापना एवं चौराहे के सौंदर्यीकरण कार्य को लेकर आज नगरपालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहाकि नगर में विरासत, राष्ट्रभक्ति और वीरता के साथ विकास कार्य किए जा रहे है। निरीक्षण के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास के ऐसे महानायक हैं जिन्होंने मातृभूमि, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनका जीवन संघर्ष, साहस और आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि नगरवासियों की लंबे समय से मांग थी कि नगर के प्रमुख स्थल पर महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा स्थापित की जाए, जिसे अब साकार किया जा रहा है। नगरपालिका अध्यक्ष श्री राठौर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार सदैव राष्ट्रनायकों, महापुरुषों और भारत की गौरवशाली संस्कृति को सम्मान देने का कार्य कर रही है।

कृषि अधिकारियों एवं कीटनाशक निर्माता कंपनियों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित

सीहोर (निप्र)। कृषि विभाग के उप संचालक अशोक कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता में आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कीटनाशक निर्माता कंपनियों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में गुणवत्तायुक्त कृषि आदानों की उपलब्धता, कीटनाशकों के सुरक्षित भंडारण एवं परिवहन, निर्धारित मानकों के अनुरूप विक्रय व्यवस्था तथा नकली एवं अवैध कीटनाशकों की रोकथाम संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके साथ ही ई-विकास पोर्टल से उर्वरक विक्रय के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। उप संचालक श्री उपाध्याय ने बताया कि किसान अपनी आवश्यकतानुसार उर्वरक सेवा सहकारी समिति अथवा मनपसंद निजी विक्रेता से ई-विकास पोर्टल पर ई-टोकन बुक करके प्राप्त कर सकते है। इसके अलावा एमपी ऑनलाईन केन्द्र से भी 15 रूपये का शुल्क देकर ई-टोकन जारी करा सकते है। बैठक में सभी कीटनाशक निर्माता कंपनियों एवं विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि वे शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों एवं नियमों का पूर्णत: पालन सुनिश्चित करें। साथ ही सभी कंपनियों को अपने अधिकृत विक्रेताओं की अद्यतन सूची एवं जारी की गई कीटनाशक विक्रय अनुज्ञप्तियों की जानकारी विभाग को निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। इस दौरान स्पष्ट किया गया कि बिना वैध लाइसेंस के कीटनाशकों का विक्रय एवं भंडारण पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही नकली एवं अमानक कीटनाशकों के विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विभाग द्वारा सतत निरीक्षण एवं सघन जांच अभियान संचालित किया जाएगा।

बैठक में आगामी खरीफ सीजन के दौरान किसानों को गुणवत्ता युक्त एवं प्रमाणित कृषि आदानों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने, मांग एवं आपूर्ति की नियमित समीक्षा करने तथा किसानों को जागरूक करने हेतु समन्वित कार्यवाही किए जाने पर विशेष बल दिया गया।

ग्रामीणों को विधायक राय ने दी करोड़ों रुपए के निर्माणकार्यो की सौगात

विधानसभा के 6 गांवों में भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम सम्पन्न

सीहोर(निप्र)। बुधवार को विधायक सुदेश राय ने विधानसभा क्षेत्र का तुफानी दौरा किया। विधायक सुदेश राय ने विभिन्न निर्माणकायों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। हर गांव तक सड़क और हर घर तक विकास के संकल्प को विधायक सुदेश राय ने पूरा किया। ग्रामीणों से सीधे चर्चा कर निर्माणकायों और समस्याओं के निराकरण को लेकर विधायक सुदेश राय सीधे जनता से फीडबैक लिया। ग्रामीणों सरपंचों पचों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक सुदेश राय का आत्मीयता के साथ स्वागत सम्मान कर करोड़ों रूपये के निर्माण कार्यो की सौगात देने पर हदृय से आभार व्यक्त किया।मुंगावली में विधायक सुदेश राय ने बुजुर्गो माता बहनों की विशेष उपस्थिति में 54 लाख 38 हजार रूपए से बनने वाले 2 कक्ष, 2 लैब, व बाउंड्रीवाल निर्माण और ग्राम सेमरादांगी से बरखेड़ा तक 356.08 लाख रुपए लागत के रोड निर्माण सहित अहमदपुर ग्राम पंचायत में 64.91 लाख रुपए से के 2 कक्ष, 2 लैब, व गेट का एवं श्यामपुर में 108.62 लाख रुपए लागत से बनने वाले 7 कक्ष, बाउंड्री वाल, शौचालय व रोड निर्माण का भूमिपूजन किया। इसी प्रकार गरीमापूर्ण कार्यक्रम में विधायक सुदेश राय ने दोराहा नहर से चैनपुरा तक 75.05 लाख रूपए की लागत से हुए डामरीकरण कार्य एवं विधानसभा क्षेत्र के चरनाल में 2 करोड़ 95 लाख रुपए से बने आयुष्मान आरोग्य मंदिर नवीन भवन का लोकार्पण किया।

कृत्रिम पैरों से मुकेश के आत्मविश्वास और सपनों को मिली नई उड़ान

सीहोर (निप्र)। शासन द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग के समग्र कल्याण और उन्हें सम्मानजनक एवं आत्मनिर्भर जीवन प्रदान करने के उद्देश्य से अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन्हीं में से एक है एडिप योजना, जो दिव्यांगजनों के जीवन में नई रोशनी और आत्मविश्वास का संचार कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे जरूरतमंदों को समय पर आवश्यक सहायता मिल रही है। सीहोर जिले के ग्राम वीलखेड़ा खुर्द निवासी मुकेश सिंह के लिए यह योजना किसी वरदान से कम नहीं रही। जब उन्हें जानकारी मिली कि सामाजिक न्याय विभाग द्वारा सीहोर में विशेष शिविर आयोजित कर दिव्यांगजनों को ऑन द स्पॉट कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए जाएंगे, तो वे निर्धारित समय पर शिविर में पहुंचे। शिविर में उनका पंजीयन किया गया और विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण उपरांत उन्हें वहीं निशुल्क कृत्रिम पैर प्रदान किए गए। साथ ही उन्हें उपयोग में सुविधा के लिए आरामदायक जूते भी नि:शुल्क उपलब्ध कराए गए। कृत्रिम पैर प्राप्त करने के बाद मुकेश के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। उन्होंने कहा कि अब वे पहले की अपेक्षा अधिक सहजता से अपने दैनिक कार्य कर सकेंगे और आत्मनिर्भर जीवन जी पाएंगे। उन्होंने प्रदेश सरकार एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का ह्रदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जीवन में एक नया मोड़ लेकर आई है। एडिप योजना के माध्यम से शासन न केवल दिव्यांगजनों को सहारा दे रहा है, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उनके जीवन को नई दिशा दे रहा है। ऐसे प्रयास यह सिद्ध करते हैं कि सरकार संवेदनशीलता के साथ प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचकर उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

सीहोर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की जिला कार्य समिति की बैठक सम्पन्न

सीहोर (निप्र)। भाजपा के जिला कार्यालय पर बुधवार को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बैठक आयोजित हुई। मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष भोपाल संभाग प्रभारी संजय सिंह यादव मुख्य आतिथ्य में बैठक संपन्न हुई। बैठक में मोर्चे के आने वाले कार्यक्रमों में मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार प्रवास के कार्यक्रम की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला महामंत्री कमलेश कुशवाहा एवं जय नारायण जलोदिया, जिला उपाध्यक्ष लखन चौरसिया, जिला मंत्री विष्णु सिंह परमार, जिला कार्य समिति सदस्य बृजमोहन सोनी बरखेड़ी मंडल अध्यक्ष, आलम सिंह परमार, इछावर मंडल अध्यक्ष रामकृष्ण मीणा, राजेश परिहार, विनोद त्यागी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नगर महामंत्री प्रशांत राठौर द्वारा किया गया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com